Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 151
जयपुर, शुक्रवार, 15 नवम्बर 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: '1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

राजस्थान में थप्पड़कांड के आरोपी नरेश मीणा गिरफ्तार, गाड़ियां जलाई

छुड़वाने के लिए समर्थकों ने दिनभर मचाया बवाल, बोले- पुलिस ने घरों में घुसकर मारा

■ संजीवनी टुडे

टोंक। राजस्थान के देवली-उनियारा में एसडीएम को थप्पड़ मारने वाले नरेश मीणा को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। नरेश मीणा की गिरफ्तारी के बाद समरावता गांव में फिर बवाल हो गया। मीणा के समर्थकों ने पुलिस की गाड़ियों को रोकने की कोशिश में चक्का-जाम कर दिया। देवली-उनियारा के समरावता गांव की सड़क पर भी टायर जलाए। लोगों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे तो उपद्रवियों ने भी पुलिस पर हल्का पथराव कर दिया। यहां से नरेश मीणा के समर्थकों टोंक से सवाई माधोपुर जाने वाले नेशनल हाईवे-116 पर पहुंचे और अलीगढ़ कस्बे के पास जाम लगा दिया। यहां कवरेज करने गए पत्रकारों पर प्रदर्शनकारियों ने हमला कर दिया और उनका कैमरा तोड़ दिया। उधर, कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा शाम करीब पांच बजे हालातों का जायजा लेने समरावता गांव पहुंचे और लोगों से बात की। लोगों ने उनसे कहा- बाबा नरेश को छुड़ाओ, उसकी गलती नहीं थी। इस पर किरोड़ी ने कहा कि नरेश मीणा को मैं नहीं, कोर्ट छोड़ेगा। इस पर महिला बोली कि बाबा आप चाहो तो छूट जाएगा। लोगों ने किरोड़ी को बताया- पुलिस ने लोगों को घरों में घुसकर मारा और गाड़ियां जला दी। नरेश मीणा को गिरफ्तार करने से पहले पुलिस ने गांव को चारों ओर से घेर लिया था। करीब 500 से ज्यादा पुलिस और एसटीएफ जवानों को मौके पर तैनात किया गया था।

एडीएम बोले- हमें कलेक्टर मैडम ने समरावता भेजा

एडीएम अमित चौधरी ने बताया- बूथ पर सुबह 10 बजे तक एक भी वोट नहीं डाला गया था। कलेक्टर मैडम ने हमें वहां भेजा था कि कुछ सरकारी कर्मचारियों को मोटिवेट करके कुछ वोट डलवा दीजिए तो बूथ 100 प्रतिशत बायकॉट के दायरे में नहीं आता।गिरफ्तारी के बाद भी भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। दरअसल, देवली-उनियारा विधानसभा के समरावता (टोंक) गांव ने उपचुनाव में वोटिंग का बहिष्कार किया था। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा भी ग्रामीणों के साथ धरने पर थे। इसी दौरान नरेश मीणा ने अधिकारियों पर जबरन मतदान करवाने का आरोप लगाया। एसडीएम अमित चौधरी ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्हें थप्पड़ मार दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने वोटिंग का टाइम खत्म होने के बाद पोलिंग पार्टियों को भी रोकने की कोशिश की। गुस्साए लोगों ने एसपी विकास सांगवान की गाड़ी भी तोड़ दी। इस बीच पुलिस ने रात करीब 9.30 बजे नरेश मीणा को हिरासत में ले लिया। मीणा के समर्थकों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली।

नरेश मीणा ने समर्थक को मारी थप्पड़

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा गुरुवार सुबह करीब 9.22 बजे अचानक समरावता पहुंचे, जहां मीडिया ने उन्हें घेर लिया। नरेश मीणा धरनास्थल पर मीडिया से बातचीत करने लगे। इस दौरान उनका समर्थक भी पास में बैठा हुआ था। वह बीच में बोल रहा था। इस पर नरेश मीणा को फिर थोड़ा गुस्सा आ गया और उसके हल्का सा थप्पड़ मार दिया।

डोटासरा ने देवली-उनियारा के हालातों पर जताई चिंता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने देवली-उनियारा के हालातों पर चिंता जताई है। डोटासरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा- देवली-उनियारा में बेकाबू उपद्रव एवं तनावपूर्ण हालात अत्यंत चिंताजनक हैं। राज्य की भाजपा सरकार स्थिति पर नियंत्रण पाने एवं कानून व्यवस्था कायम करने में पूरी तरह विफल रही है। वे और भड़क गए। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण ने पुलिस जवानों को घेर लिया और मीणा को छुड़ाकर ले गए। पुलिस के लाठीचार्ज करने पर नरेश मीणा के समर्थक भड़क गए और पथराव-आगजनी कर दी। बवाल में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें 10 पुलिसवाले भी शामिल हैं। वहीं, गुरुवार सुबह करीब 9.30 बजे नरेश मीणा अचानक समरावता गांव पहुंचे और पुलिस पर मारपीट आरोप लगाए। दोपहर करीब 12 बजे नरेश मीणा को गिरफ्तार किया गया था।

पाली में भीषण सड़क हादसा, 4 की मौत

दोस्त से कार लेकर जोधपुर गया था महाराष्ट्र का रहने वाला परिवार

■ संजीवनी टुडे

पाली। पाली में हुए एक सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे के दौरान कार में 6 लोग सवार थे। सभी एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। घटना जिले के सांडेराव थाना क्षेत्र के केनपुरा के पास गुरुवार रात करीब 9:30 बजे की है। हादसे में 2 लोग घायल हुए हैं। सभी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया हादसे में पूरा परिवार खत्म हो गया। सड़क हादसे में पठान कोडोली जिला कोलापुर भाता हुपरी तहसील हाथ कलंगडी निवासी (50) बाबूराव, उनकी 38 साल की पत्नी सारिका, 19 साल की बेटी साक्षी और 17 साल के बेटे संस्कार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि हादसे में पूरा परिवार खत्म हादसे में पठान कोडोली जिला कोलापुर भाता हुपरी तहसील हाथ कलंगडी निवासी 50 साल के बाबूराव, उनकी 38 साल की पत्नी सारिका, 19 साल की बेटी साक्षी और 17 साल का बेटा संस्कार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। 29 साल का चिन्मय पुत्र रवि और 40 साल का प्रमोद पुत्र पुरेन्द्र जैन घायल हुए। सांडेराव थाने के एसएचओ लक्ष्मणसिंह ने बताया- कोल्हापुर (महाराष्ट्र) का एक व्यापारी परिवार सहित शिवगंज (सिरोही) आया था। यहां अपने परिचित व्यापारी से कार लेकर वह परिवार सहित जोधपुर गए थे। रात करीब साढ़े नौ बजे शिवगंज लौटते समय हाईवे पर केनपुरा के पास इनकी कार बेकाबू हो गई। कार का बैलेंस बिगड़ते ही वह पलटते हुए सड़क से नीचे उतर गई। हादसे में कार सवार दो महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। 2 घायलों को सांडेराव के सरकारी हॉस्पिटल लाया गया है, जहां इनका इलाज चल रहा है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि तेज स्पीड में होने के कारण कार सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे के दौरान सभी उसमें फंस गए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आस-पास के लोगों की मदद से शवों और घायलों को बाहर निकाला।

मोदी बोले- महायुति में ही महाराष्ट्र की तरक्की

कांग्रेस के समय देशभर में आतंकी घटनाएं होती थीं, अब आतंक के आका खुद डरे हुए

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज महाराष्ट्र में तीन रैलियां की। पहली रैली छत्रपति संभाजीनगर में, दूसरी रैली पनवेल और तीसरी मुंबई में की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का ये चुनाव सिर्फ नई सरकार चुनने का ही चुनाव नहीं है। संभाजीनगर में उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ संभाजी महाराज को मानने वाले देशभक्त हैं और दूसरी ओर औरंगजेब के गुणगान करने वाले लोग हैं। कुछ लोगों को छत्रपति संभाजी के कातिलों में मसीहा नजर आता है। वहीं, मुंबई में उन्होंने कहा कि इस शहर ने लंबे समय तक आतंकवाद का दर्द सहा है। आतंकी हमलों से मिले जख्मों को लोग अब तक भूले नहीं हैं। लेकिन पिछले कुछ साल में लोगों के मन में सुरक्षा का भाव आया है। आपको सोचना है कि क्यों कांग्रेस सरकार के समय मुंबई समेत देशभर में आतंकी घटनाएं होती रहती थी। हर जगह आपको लावारिस वस्तुओं का डर दिखाया जाता था। लेकिन अब ये सब बंद हो गया है। क्योंकि अब आतंक के आकाओं को पता है कि भारत के खिलाफ, मुंबई के खिलाफ कुछ किया तो मोदी उन्हें पाताल में भी नहीं छोड़ेगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सभी 288 विधानसभा सीटों पर सिंगल फ़ेज में 20 नवंबर को वोटिंग है। इसके नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। मुंबई के रैली के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और रिपबलिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के अध्यक्ष रामदास अठावले मौजूद रहे। उन्होंने पीएम मोदी को मुंबा देवी की तस्वीर भेंट की। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में विकास के महायज्ञ के साथ ही, हमारी सरकार, विरासत का अनुष्ठान भी कर रही है। भगवान विठ्ठल के भक्तों की सुविधा के लिए हमने पालकी महामार्ग का निर्माण करवाया है। महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के लोग दशकों से मराठी को अभिजात भाषा का दर्ज़ा देने की मांग कर रहे थे। मराठा गौरव से जुड़ा ये काम भी भाजपा ने ही पूरा किया है।

हमने बालासाहेब ठाकरे की मांग पूरी की

मोदी ने छत्रपति संभाजीनगर में कहा कि पूरा महाराष्ट्र जानता है कि छत्रपति संभाजीनगर को ये नाम देने की मांग बालासाहेब ठाकरे ने उठाई थी। अघाड़ी सरकार की 2.5 साल सत्ता रही, लेकिन कांग्रेस के दबाव में इन लोगों की हिम्मत नहीं हुई। जबकि महायुति सरकार ने आते ही इस शहर का नाम छत्रपति संभाजी नगर किया। हमने आपकी इच्छा को पूरा किया, हमने बालासाहेब ठाकरे की इच्छा को पूरा किया। पीएम ने कहा कि अघाड़ी वालों ने महाराष्ट्र की परेशानियों को बढ़ाने के अलावा कोई काम नहीं किया है।

बाबा सिद्दीकी का शूटर 30 मिनट अस्पताल के पास रहा

मौत की पुष्टि होने तक इंतजार किया, फायरिंग के तुरंत बाद शर्ट बदल ली थी

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के शूटर ने मौत की पुष्टि तक अस्पताल के पास इंतजार किया। शूटर ने पुलिस को बताया कि फायरिंग के बाद उसने तुरंत अपनी शर्ट बदल ली और करीब आधे घंटे तक भीड़ के बीच अस्पताल के बाहर खड़ा रहा। वह यह जानने के लिए खड़ा रहा कि सिद्दीकी की मौत हो गई या वे हमले में बच गए। जैसे ही उसे यह पता चला कि सिद्दीकी की हालत बहुत गंभीर है, वह वहां से चला गया। 12 अक्टूबर की रात बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई 66 वर्षीय बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को रात 9:11 बजे मुंबई के बांद्रा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके बेटे के ऑफिस के बाहर उनपर गोलियां चलाई गई। उनके सीने पर दो गोलियां लगी थीं। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। सिद्दीकी की हत्या के लिए कैसे बनाया गया प्लान मुख्य आरोपी शिव कुमार गौतम के अनुसार, बाबा सिद्दीकी को मारने के बाद उनका पहला प्लान था, अपने सहयोगियों - धर्मराज कश्यप और गुरमेल सिंह से उज्जैन रेलवे स्टेशन पर मिलना। जहां बिश्नोई गिरोह का एक सदस्य उन्हें वैष्णो देवी ले जाता।

पुलिस ने मुख्य आरोपी को नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया

मुख्य आरोपी के चार दोस्तों की बातचीत से पुलिस को संदेह हुआ। जिन्होंने मोबाइल फोन पर देर रात बातचीत की थी। जिससे मुंबई पुलिस को गौतम को ट्रैक करने में मदद मिली। गौतम उत्तर प्रदेश के नानपारा शहर से लगभग 10 किमी दूर, 10 से 15 झोपड़ियों वाली बस्ती में छिपा हुआ था। वहां से रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच और उत्तर प्रदेश पुलिस स्पेशल टास्क फोर्स ने गौतम को अनुराग कश्यप, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, आकाश श्रीवास्तव और अखिलेंद्र प्रताप सिंह के साथ नेपाल सीमा के पास गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक, जांच गौतम के चार दोस्तों की संदिग्ध गतिविधियों से शुरू हुई। उन्हें विभिन्न आकारों में कपड़े खरीदते और एक दूर जंगल में उससे मिलने की योजना बनाते हुए देखा गया था। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वे मोबाइल फोन के जरिए इंटरनेट कॉल के माध्यम से गौतम के साथ लगातार संपर्क में थे। गौतम विदेश भागने का बना रहा था प्लान 12 अक्टूबर को सिद्दीकी पर फायरिंग करने के बाद गौतम वहां से कुर्ला गया, ठाणे के लिए एक लोकल ट्रेन में चढ़ा और फिर पुणे भाग गया। वहां उसने अपना मोबाइल फोन फेंक दिया। वह लगभग सात दिनों तक पुणे में रहा और फिर उत्तर प्रदेश के झाँसी और लखनऊ गया।

भारत ने पिनाक रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण किया

■ संजीवनी टुडे

इसमें 44 सेकंड में 12 रॉकेट दागने की क्षमता, राजनाथ बोले- अब सेना और मजबूत होगी

नई दिल्ली। भारत ने गाइडेड पिनाक वेपन सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। यह टेस्ट डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की तरफ से किया गया। यह सिस्टम पूरी तरह से देश में ही बनाया गया है। यह सिस्टम केवल 44 सेकंड में 12 रॉकेट दाग सकता है, यानी हर 4 सेकेंड में एक रॉकेट। परीक्षण के दौरान इसकी मारक क्षमता, सटीकता और एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला करने की ताकत को परखा गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण तीन अलग-अलग जगहों पर किया गया। दो लॉन्चरों से कुल 24 रॉकेट दागे गए। ये सभी रॉकेट अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदने में कामयाब रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कामयाबी पर डीआरडीओ और सेना को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस नए सिस्टम के जुड़ने से हमारी सेना और मजबूत होगी। गाइडेड पिनाका सिस्टम को डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। इसे बनाने में कई कंपनियों ने भी योगदान दिया, जैसे म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स। डीआरडीओ के प्रमुख समीर वी. कामत ने भी इस सफलता पर अपनी खुशी जताई और कहा कि यह सिस्टम अब सेना में शामिल होने के लिए तैयार है। क्या है पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का नाम भगवान शिव के धनुष 'पिनाक' के नाम पर रखा गया है। इसे डीआरडीओ के पुणे स्थित आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की तरफ से बनाया गया है। इसकी एक बैटरी में छह लॉन्च वाहन होते हैं। इसके लोडर सिस्टम, रडार और नेटवर्क आधारित सिस्टम और एक कमांड पोस्ट के साथ लिंक होते हैं। पिनाक रॉकेट लॉन्चर सिस्टम में 214 मिलिमीटर के 12 रॉकेट होते हैं। पिनाक रॉकेट्स की स्पीड ही इसे सबसे ज्यादा खतरनाक बनाती है। इसकी स्पीड 5,757.70 किलोमीटर प्रतिघंटा है, यानी एक सेकेंड में 1.61 किलोमीटर की गति से हमला करता है। साल 2023 में इसके 24 टेस्ट किए गए थे।

अब ओवैसी ने 15 मिनट का जिक्र किया

फिर गुस्ताखी होने की एक्टिंग की, उनके भाई 2012 में कह चुके- 15 मिनट पुलिस हटा लो

■ संजीवनी टुडे

सोलापुर। हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईए चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र के सोलापुर में बुधवार को चुनाव प्रचार के दौरान '15 मिनट' का जिक्र किया। 2012 में उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा था- 'देश से 15 मिनट के लिए पुलिस हटा दो तो पता चल जाएगा कौन कितना ताकतवर है।' महाराष्ट्र चुनाव में ओवैसी और डिप्टी सीएम फडणवीस के बीच जुबानी जंग चल रही है। सोलापुर में पुलिस ने मंच पर ही ओवैसी को भड़काऊ भाषण देने से बचने का नोटिस थमा दिया। इस पर तंज कसते हुए ओवैसी ने फिर 15 मिनट का जिक्र किया। हालांकि, तुरंत बाद उन्होंने गुस्ताखी होने की एक्टिंग की। फिर कहा- वैरी सॉरी...। ओवैसी ने अपनी बात को संभाला। मोबाइल और घड़ी दिखाते हुए बोले- 9.45... मीडिया वालों घड़ी चेक कर लो तुम्हारी भी। ओवैसी ने 15 मिनट को चुनाव प्रचार के टाइम खत्म होने में 15 मिनट बाकी होने से जोड़ दिया। ओवैसी सोलापुर में पार्टी प्रत्याशी फारूक शाबदी के प्रचार के लिए पहुंचे थे। ओवैसी ने पुलिस नोटिस को मंच से पढ़ा और पूछा- '3 दिन पहले मोदी आए थे।

अकबरुद्दीन ने एक बार फिर इसे दोहराया था

पुलिस को क्या खाली भाईजान से मोहब्बत है।' 8 दिन पहले भी संभाजीनगर में चुनाव प्रचार करने पहुंचे अकबरुद्दीन ने एक बार फिर इसे दोहराया था। उन्होंने कहा था- "कैंपेनिंग का टाइम है 10 बजे, अभी 9:45 बजे हैं, अभी 15 मिनट बाकी हैं। ओवैसी की पार्टी महाराष्ट्र में 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जिसके प्रचार के लिए दोनों भाई फिलहाल महाराष्ट्र में ही हैं। ओवैसी को दिए नोटिस में लिखा- भड़काऊ भाषण न दें पुलिस ने जो ओवैसी को नोटिस दिया है, उसमें लिखा है कि ओवैसी अपने भाषण में भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल न करें, जिससे किसी भी समुदाय की भावनाएं आहत न हों। पुलिस ने यह नोटिस भारतीय नागरिक संहिता की धारा 168 के तहत जारी किया , लेकिन चूंकि वह नोटिस मराठी भाषा में था, इसलिए ओवैसी ने अंग्रेजी भाषा में नोटिस मांगा। इस दौरान देखा गया कि उन्होंने मराठी नोटिस की फोटो भी ली। पुलिस ओवैसी को उनके मेल पर नोटिस की अंग्रेजी कॉपी भेजी। जिसकी भाषा का उन्होंने मंच से मजाक उड़ाया। साथ ही कहा- ये सारे नोटिस दूल्हे भाई को ही आते, किसी दूसरे को नहीं आते जी। खाली भाईजान से ही मोहब्बत है। महाराष्ट्र में 288 सीटों पर सिंगल फ़ेज में वोटिंग महाराष्ट्र में 20 नवंबर 2024 को एक ही फ़ेज में चुनाव होंगे। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। राज्य में पहली बार 6 बड़ी पार्टियों के बीच मुकाबला हो रहा है। 2019 यानी महाराष्ट्र के पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। सरकार बनने से पहले ही उद्धव ने पाला बदल लिया। 28 नवंबर 2019 को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर उद्धव ठाकरे एख्र बने। उद्धव सरकार ने कई उतार-चढ़ावों से गुजरते हुए ढाई साल पूरे किए।

नागपुर में कन्हैया कुमार बोले- धर्म सब मिलकर बचाएंगे

ऐसा नहीं होगा कि हम धर्म बचाएं और डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टग्राम रील्स बनाएं

■ संजीवनी टुडे

नागपुर। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने गुरुवार को महाराष्ट्र के नागपुर में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के धर्मयुद्ध वाले बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो नेता धर्म बचाने की बात कहे, उससे पूछिए कि ऐसा तो नहीं होगा न कि धर्म बचाने की जिम्मेदारी हमारी होगी और ऑक्सफोर्ड-कैमब्रिज में पढ़ने की जिम्मेदारी आपके बच्चों की होगी। अगर धर्म बचाना है तो सब मिलकर बचाएंगे। ऐसा तो नहीं होगा न कि हम धर्म बचाएंगे और डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टाग्राम पर रील्स बनाएंगीं। दरअसल, फडणवीस ने 9 नवंबर को औरंगाबाद में कहा था कि राज्य में अब 'वोट जिहाद' शुरू हो गया है। अगर वे वोट जिहाद कर रहे हैं, तो हमें 'धर्म-युद्ध' के लिए तैयार रहना चाहिए। इस देश का नागरिक होने के नाते लोकतंत्र को बचाना हमारा धर्म है। जिस लोकतंत्र के चलते आज मैं यहां खड़े होकर भाषण दे रहा हूं, उसकी रक्षा करना मेरा धर्म है। अगर यह धार्मिक युद्ध है और धर्म की रक्षा दांव पर है, तो जो भी नेता आपके सामने धर्म बचाने की बात कहता है, उस नेता से एक सवाल पूछना चाहिए- एक्सक्यूज मी सर, आप धर्म बचाना चाहते हैं, बस एक बात बता दीजिए, इस धर्म बचाने की लड़ाई में आपके बेटा-बेटी भी हमारे साथ चलेंगे न? ऐसा तो नहीं होगा न कि धर्म बचाने की जिम्मेदारी हमारी और ऑक्सफोर्ड-कैमब्रिज में पढ़ने की जिम्मेदारी आपके बच्चों की। अगर धर्म बचाना है तो सब मिलकर बचाएंगे। ऐसा तो नहीं होगा न कि हम धर्म बचाएंगे और डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टाग्राम पर रील्स बनाएंगीं। यही बात मैंने भाजपा के एक दोस्त को हीं। मैंने कहा दोस्त धर्म बचाना है। तो चलो, नेताओं के बच्चे भी धर्म बचाएंगे। तो मेरा दोस्त बोला कि मोदी जी और योगी जी को बेटा-बेटी नहीं हैं। मैंने कहा- भतीजा है न, वो चलेगा न हमारे साथ धर्म बचाने के लिए।

राहुल बोले- मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा

देश में 8% आदिवासी लेकिन संसाधनों में सिर्फ 1% हिस्सेदारी, जल-जंगल-जमीन पर पहला हक उनका

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। राहुल ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी संविधान पढ़ा नहीं है, इसलिए उन्हें लगता है कि संविधान की लाल किताब खाली है। वे महाराष्ट्र के नंदुरबार में रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान संविधान की प्रति दिखाते हुए उन्होंने कहा- भाजपा को किताब का लाल रंग पसंद नहीं, लेकिन हमें इसकी परवाह नहीं कि रंग लाल है या नीला। हम इसे (संविधान) बचाने के लिए अपनी जान भी देने को तैयार हैं। दरअसल, चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा दिखाई जाने वाली लाल किताब को शहरी नक्सलवाद से जोड़ने की कोशिश की थी। पीएम मोदी ने भी 9 नवंबर को तंज किया था कि राहुल गांधी संविधान की जो किताब लेकर घूम रहे हैं, उसके पन्ने खाली हैं। राहुल बोले- सरकार चलाने वाले 90 अधिकारियों में से केवल 1 आदिवासी राहुल ने आगे कहा- अभी 8% आदिवासी आबादी के पास संसाधनों में सिर्फ 1% हिस्सेदारी है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आदिवासियों को 'वनवासी' कहकर उनका अपमान करते हैं। आदिवासी देश के पहले मालिक हैं।

आदिवासी बिना किसी अधिकार के जंगल में रहें

जल, जंगल और जमीन पर पहला हक उनका है, लेकिन भाजपा चाहती है कि आदिवासी बिना किसी अधिकार के जंगल में रहें। उन्होंने दावा किया कि सरकार चलाने वाले 90 अधिकारियों में से केवल एक आदिवासी समुदाय से है। इन्हें देश के विकास में खर्च के लिए अगर 100 रुपए मिलते हैं तो आदिवासी अधिकारी के हिस्से केवल 10 पैसे आते हैं। देश में 100 नागरिकों में आठ आदिवासी हैं, जबकि भागीदारी 100 रुपए में सिर्फ 10 पैसे है। आदिवासी अधिकारी को अच्छे विभाग भी नहीं दिए जाते। राहुल गांधी ने झारखंड के बाघमारा और जमशेदपुर में कहा- मोदी जी अंबानी की शादी में जाते हैं, लेकिन किसी गरीब के यहां शादी में नहीं जाते। एक बार मैंने देखा कि वे तार के पीछे खड़े गरीब बच्चों से झिझककर मिले रहे थे। हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के पास जाते ही नहीं हैं। इससे पता चलता है कि वो आपके नहीं हैं। राहुल ने कहा- देश में करीब 50% ग्उए, 15% दलित, 8% आदिवासी और 15% अल्पसंख्यक हैं। लेकिन आपको देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में ग्उए, दलित और आदिवासी नहीं मिलेंगे। मैंने मोदी जी से साफ कह दिया है कि आप जातिगत जनगणना रोक नहीं सकते।

जिला प्रशासन का नवाचार: समस्या की चिंता नहीं, समाधान पर चिंतन हो

■ संजीवनी टुडे

तनाव मुक्त प्रशासन पर कार्यशाला

उदयपुर। अधिकारियों और कर्मचारियों को तनाव मुक्त रखते हुए उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि के लिए जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल ने नवाचार किया। इसके तहत जिला प्रशासन और प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, उदयपुर केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में तनाव मुक्त प्रशासन विषय पर कार्यशाला गुरुवार को जिला परिषद सभागार में हुई। कार्यशाला में ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय जयपुर जोन प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी पुनम दीदी ने तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि परमात्मा परम प्रशासक है, जो विश्व का संचालन करता है। इसी प्रकार अधिकारी भी प्रशासन व्यवस्था संभालते हैं। ईश्वर ने लोगों की सेवा करने और उनके दुःखों का समाधान करने का अवसर प्रदान किया है। समस्या सर्वत्र होती हैं, लेकिन समस्याओं की चिन्ता के बजाए समाधान पर चिन्तन होना चाहिए। अपने मनोबल को

बढ़ाएं तो समस्याएं खेल लगने लगती हैं। उन्होंने ध्यान के माध्यम से अपनी आत्म शक्ति बढ़ाने पर जोर दिया। पूनम दीदी ने स्ट्रेस शब्द के प्रत्येक अक्षर की व्याख्या करते हुए तनाव प्रबंधन के गूर सिखाए। उन्होंने कहा कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का अवसर मिला है, उसका सदुपयोग करते हुए पुण्य अर्जित करें। लोगों की समस्याओं का निस्तारण करने से दुआएं और शुभकामनाएं मिलती हैं। इससे जीवन में स्वतः निखार जाता है। उन्होंने श्रीमद् भगवतगीता का उदाहरण देते हुए कहा कि निष्काम कर्म को ही श्रेष्ठ माना गया है। अच्छे कर्म ही आत्मा की संपत्ति हैं क्योंकि शरीर त्याग के बाद वही साथ आते हैं।

ध्यान ईश्वर से जुड़ने का माध्यम

कार्यशाला में ब्रह्मकुमारीज उदयपुर सेंटर प्रभारी ब्रह्मकुमारी रीटा दीदी ने ध्यान का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि ध्यान आत्मा के परमात्मा से जुड़ने का माध्यम है। ध्यान से मन की शांति मिलती है और शांति ही सभी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करती है, निर्णय शक्ति बढाने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का सकारात्मक पहलू भी होता है। आवश्यकता सिर्फ उस पहलू को समझने की है। अंत में रीटा दीदी ने सभी संभागियों को ध्यान का अभ्यास कराया। कार्यशाला में पूनम दीदी ने जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल को स्मृति चिन्ह तथा प्रसाद भेंट किया। कार्यशाला में शामिल सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को भी प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारीज केंद्र राजसमंद की पूनम दीदी, गोगुन्दा केंद्र की रश्मि दीदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुःख और चुनौतियों में फर्क को समझाना चाहिए : जिला कलक्टर

कार्यशाला में जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने कहा कि प्रशासन में तनाव प्रबंधन का बड़ा महत्व है। स्वयं तनाव में रहेंगे तो उसका प्रभाव कार्य पर आएगा। अग्नि की लपटें तब तक ही ऊंची उठती है, जब तक उसे ईंधन मिलता रहता है। इसलिए स्वभाव से शांत और सौम्य रहना जरूरी है, जिससे किसी भी परिस्थिति में व्यक्तिगत रूप से तनाव हावी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि कई लोग छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान रहते हैं, जैसे उनसे बड़ा दुःख किसी को नहीं है, लेकिन दुःख और चुनौतियों में फर्क को समझना होगा। दुःख वह है जिसका समाधान आपके हाथ में नहीं है, बाकी सब कुछ चुनौतियां हैं, जिनका समाधान स्वयं किया जा सकता है। उन्होंने कार्यशाला को बहुपयोगी बताते हुए भविष्य में भी कार्मिकों की क्षमता वर्द्धन के लिए ऐसे आयोजन किए जाने की बात कही।

खबरें फटाफट

स्वामी विवेकानंद मॉडल विद्यालय में मनाया गया बाल दिवस

■ संजीवनी टुडे

टहला। गुरुवार स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल खो- दरीबा राजगढ़ में बाल संसद एवम् स्टाफ के सहयोग से बाल दिवस उत्सव मनाया गया। जिसमें बच्चों की म्यूजिकल चेयर, स्पून रेस, रस्साकस्सी प्रतियोगिता,डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रमों के साथ ही स्कूल विद्यार्थियों को स्टाफ द्वारा बाल दिवस पर अल्पाहार कराया गया । कार्यक्रम में रस्साकस्सी में नरेंद्र हाऊस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा रामकृष्ण हाउस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया डांस में प्रिया महावार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में प्रिंसिपल महेश भारद्वाज,दिलीप सिंह राठौड़,सुशील नागर,रचना चौहान,धीरसिंह मीणा ,नरेंद्र गुर्जर,गणेशाराम सहित समस्त स्टाफ ने सहयोग प्रदान किए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टहला में कैंप का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

टहला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टहला पर बुधवार को कैंप लगाया गया । जिसमें 55 मरीज के निशुल्क जांच कर कर उपचार एवं दवाई दी गई। टहला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लूपिन फाउंडेशन के द्वारा लगाया गया था एनसीडी कैंप। पंकज सैनी एवं संजना जाट ने बताया कि कैंप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर उमराव सिंह मीणा की देखरेख में लगाया गया था जिसमें मरीजों की बीपी ,शुगर ,हार्ड, अस्थमा ,एक्स-रे ,सीबीसी , एव स्पायरोमेट्री आदि एवं रक्त संबंध जाच की गई और उपचार किया गया।

भामाशाह सुरेश चंद जांगिड़ ने विद्यालय को कंप्यूटर एवं प्रिंटर किया भेंट

■ संजीवनी टुडे

राजगढ । गुरुवार 14 नवंबर को बाल दिवस के समारोह पर विद्यालय के भामाशाह पूर्व प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र जांगिड़ द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नयागांव प्रतापपुरा को कंप्यूटर एवं प्रिंटर 35000 के मूल्य की राशि का विद्यालय को भेंट की ।इस अवसर पर शिवराम मीणा उप प्रधानाचार्य, नरेश बैरवा कार्यवाहक प्रधानाचार्य, राजेश कुमार मीणा (व.अ.), लक्ष्मण प्रसाद महावर (व.अ.), घनश्याम सैनी (शा. शि.), अंकित कुमार शर्मा अ., नवीन कुमार शर्मा अ., एसएमसी अध्यक्ष रामावतार मीना, सदस्य जय राम मीणा, जय किशन मीणा, रामकेश मीणा, कैलाश चंद्र बैरवा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मोतीवाड़ा मे भोमिया जी व खेजड़मल भेरू जी महाराज का विशाल मेला व भंडारे का 15 नवंबर को होगा आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कुट्टी की तलाई डूंगरी का बास मोतीवाड़ा मे कार्तिक मास की शुक्ल पूर्णिमा को भोमिया जी व खेजड़मल भेरू जी महाराज का 15 नवंबर को मेला व भंडारे का आयोजन होगा जिसमे दूर दराज से पधारे भक्तगणों का जमावड़ा रहेगा ।मेले से पूर्व संध्या को 14 नवंबर गुरूवार को ध्वज यात्रा नीमला गोपीनाथ जी मंदिर से नगर परिक्रमा करते हुए भोमिया जी व खेजड़मल भेरू जी के बेंड बाजो की धुन के साथ नाचते गाते हुये निशान लेकर गये ।वही ग्रामीणों ने बताया की आज रात्रि सत्संग का भी आयोजन होगा व कनक दंडवत व परिक्रमा लगाई जाएगी ओर कल 15 नवंबर को भंडारा व प्रेमपुरा व भूलेरी की पार्टियों द्वारा भक्तों को राजा मोरध्वज,राजा भरतरी, व भगवान शंकर जी की कथा सुनाई जाएगी व मेले के मुख्य अतिथि राजस्थान के पूर्व केबिनेट मंत्री हेमसिंह भंडाना रहेंगे व मेले की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य सविता शर्मा द्वारा व मंच संचालन धर्मसिंह गुर्जर नीमला द्वारा किया जाएगा।

श्री जगन्नाथ जी महाराज के मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी पर सजी 56 भोग की झांकी

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। जन-जन के आस्था के केंद्र चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ जी महाराज के मंदिर में गुरुवार को बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर श्री जगन्नाथ जी महाराज को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया। बैकुंठ चतुर्दशी जिसे देव दीपावली कहते हैं के दिन भक्तों व श्रद्धालु महिलाओं के द्वारा 108 दीपकों का प्रातः मंगला आरती पश्चात दीप प्रज्वलन किया गया। सैकड़ो भक्तों की तादाद में महिलाओं ने मंदिर में पहुंचकर दान पुण्य आदि किया। आज के दिन भगवान नारायण के बैकुंठ के द्वारा सभी भक्तों के लिए खुले रहते हैं इस दिन गौ माता की पूंछ का पूजन करने का भी विधान है सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालु महिलाएं भक्तों ने पहुंचकर जगन्नाथ जी महाराज के और राधा दामोदर जी महाराज के दर्शन कर

मन्नत मांगी। मंदिर महंत पूर्णदास, पंडित मदन मोहन शास्त्री व पंडित रोहित शर्मा ने बताया कि एक माह से चल रहे कार्तिक मास का समापन बैकुंठ चतुर्दशी तिथि के दिन दोपहर 3 बजे श्री राधा दामोदर जी महाराज की पूजा अर्चना और महिलाओं के द्वारा परिक्रमा करके पूर्ण किया गया। सभी भक्त महिलाएं कस्बे के प्रमुख बाजारों से राधा दामोदर जी महाराज को परिभ्रमण कराते हुए मालाखेड़ा दरवाजा बाहर राधे बगीची में राधा दामोदर जी महाराज का विसर्जन का कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर पंडित मदनमोहन शास्त्री, पंडित रोहित शर्मा, गायत्री देवी, मुकुल बढ़ाया,मीनू खूटेंटा, शीला प्रधान, गुड्डी गुप्ता, मयूर खंडेलवाल, हरिओम गुप्ता, पंडित रोहित शर्मा, अमन पंवार, गायत्री गुप्ता, शीला खुटेंटा सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्कॉलरशिप और पालनहार के स्वीकृति प्रमाण पत्र पाकर खिले नन्हें बच्चों के चेहरे

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के तीन प्रोजेक्ट जिले में एकसाथ साकार होते दिखे। राजसमंद विधायक श्रीमती दीप्ति माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य में पीएमश्री जेएनवी परिसर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में जहां एक ओर जिला कलक्टर के नवाचार 'प्रोजेक्ट श्रम सम्बल' और 'पालनहार विशेष अभियान' के तहत पात्र बच्चों को लाभान्वित किया गया, तो वहीं 'क्षमता संवर्धन कार्यक्रम' का भी शुभारंभ हुआ। एसपी मनीष त्रिपाठी सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम एक साथ बड़ी संख्या में बच्चों को 'निर्माण श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना' में स्कॉलरशिप और पालनहार योजना में आर्थिक सहायता के प्रमाण पत्र सौंप कर लाभान्वित किया गया जिसके बाद बच्चों के चेहरे भी खिल उठे। साथ ही क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम के तहत सामान्य ज्ञान पर आधारित पुस्तिका का विमोचन-वितरण हुआ और विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा और एसपी मनीष त्रिपाठी ने बच्चों से करियर और जीवन के विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया। आईएएस बालमुकुंद असावा ने 25 सितंबर को राजसमंद जिला कलक्टर का पदभार ग्रहण किया था और पहले दिन से ही समाज के हर तबके

को सरकारी योजनाओं में शत प्रतिशत लाभान्वित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर काम किया। एक ओर जहां विशाल स्वच्छता अभियान, प्रोजेक्ट सक्षम सखी का आयोजन किया तो वहीं श्रमिकों के बच्चों हेतु प्रोजेक्ट श्रम संबल, अनाथ बच्चों के लिए पालनहार विशेष अभियान और अब बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रम शुरू किया। कुछ ही दिनों में जिले में इन प्रयासों से सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। कलक्टर के निर्देशन में 'प्रोजेक्ट श्रम संबल' के तहत मिशन मोड पर 'निर्माण श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना' से श्रमिकों के बच्चों को जोड़ने का कार्य किया। इस अभियान की सफलता में शिक्षा, ग्रामीण विकास और श्रम विभाग के अधिकारियों ने 24 घंटे तन्मयता से जुट कर अधिकाधिक प्रगति सुनिश्चित की।

उदयपुर संभाग में खेती के उन्नयन को लेकर कृषि वैज्ञानिकों की बैठक

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। केंद्र सरकार की कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के लिए गठित संसदीय परामर्श दात्री समिति के सदस्य सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने गुरुवार को उदयपुर के प्रमुख कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों की जिला परिषद स्थित कार्यालय में बैठक ली। इस बैठक में उदयपुर संभाग में खेती के उन्नयन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संदर्भ में कृषि जगत के योगदान आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में मुकेश सैनी उपवन संरक्षक, सुधीर वर्मा संयुक्त निदेशक कृषि, महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय डॉ अरविंद वर्मा निदेशक अनुसन्धान, डॉ पीसी भटनागर वरिष्ठ वैज्ञानिक केवीके विद्या भवन, डॉ जिज्ञासा त्रिवेदी हॉर्टिकल्चर, डॉ राजेश्वरी राणावत, उप निदेशक, परियोजना (आत्मा), रितिका हाड़ा कृषि अधिकारी, डॉ मणिराम वरिष्ठ वैज्ञानिक, केवीके वल्लभनगर, श्यामलाल सालवी सहायक निदेशक कृषि सहित अन्य प्रमुखजन उपस्थित थे।

प्राचीन बसवा दरवाजा जर्जर अवस्था में पहुंचा, बड़े हादसे को दे रहा निमंत्रण

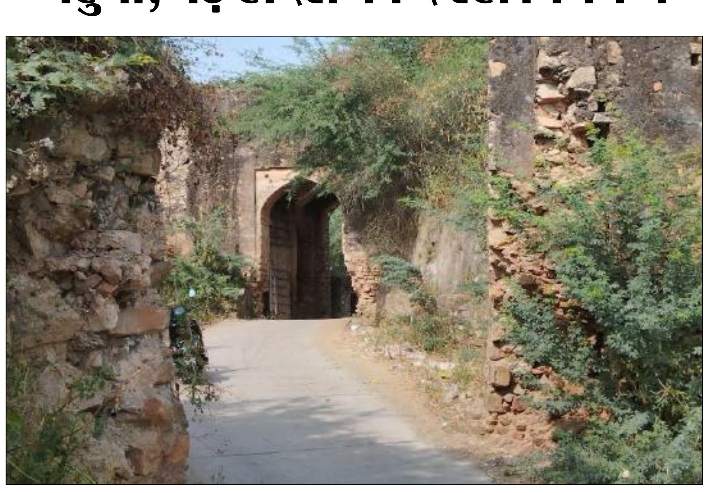

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के प्राचीन एवं ऐतिहासिक बसवा दरवाजा व उसकी दीवार प्रशासन की अनदेखी के चलते जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गई हैं। नागरिकों ने बताया कि प्राचीन काल में कस्बे की सुरक्षा की दृष्टि को लेकर चारों ओर पांच दरवाजे बनवाए गए थे। वर्तमान में बसवा दरवाजा तथा उसके परकोटे की दीवार जीर्णशीर्ण अवस्था में है। जिससे बड़ा हादसा होने की संभावना बनी रहती है। स्थानीय प्रशासन की ओर से जीर्णशीर्ण अवस्था में खड़े दरवाजे व उसकी दीवार की मरम्मत की कार्यवाही नहीं की जा रही है। उक्त दरवाजे में होकर बल्लूपरा, नांगलधर्मू, ठेकडीन, कलेशान, भैरूधाटी,भैरूसागर सहित करीब एक दर्जन गांव के ग्रामीण निकलते हैं। करीब 255 वर्ष पूर्व माचाड़ी महाराज राजा प्रताप सिंह ने कस्बे में मालाखेड़ा,गणेशपोल, कांकवाडी, पई व बसवा दरवाजा का निर्माण करवाया था। दरवाजे के पिछले हिस्सों के दोनों और दीवारों का निर्माण भी करवाया गया था। कस्बे के विस्तार के चलते कांकवाडी दरवाजा,पई का दरवाजा आदि को तोड़ दिया था। नागरिकों ने जर्जर अवस्था में खड़े बसवा दरवाजा की मरम्मत कराने की प्रशासन से मांग की है।

अनेक नृत्यांगनाओं ने आंगिक भंगिमाओं में दर्शाया कथक का सलोनापन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। वैशाली नगर, चित्रकूट स्थित नटराज म्यूजिक एंड डांस एकेडमी परिसर में संगीत आश्रम संस्थान के तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत समारोह का आगाज गुरुवार को कथक कार्यक्रम से हुआ। कार्यक्रम में जूनियर व सीनियर कलाकारों ने आकर्षक फुटवर्क व आंगिक भाव-भंगिमाओं के बेहतरीन संयोजन से जयपुर घराने के शुद्ध पारंपरिक कथक का सलोनापन दर्शाया। इससे पहले नटराज म्यूजिक एंड डांस एकेडमी परिसर की प्रिंसिपल सुनीता राज ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर मार्ल्यापण कर कार्यक्रम का आरंभ किया। नृत्य गुरु गोबिन्द प्रसाद व्यास के निर्देशन में आकर्षक वेशभूषा में सजीली जूनियर कलाकारों भव्या, काव्यांजली, तुलसी, सुनिता, नव्या, अन्विका, मनस्वी, तन्वी, पूनम और तारुषी ने तीन ताल में ठाठ, आमद, परन, तोड़े, तिहाई और रंगमंच का टुकड़ा की नयनाभिराम प्रस्तुति में कथक का लालित्य छलकाया। इसी प्रकार सीनियर कलाकारों सिमरन कुमावत, एकता, वान्या, नेत्रा गणेश वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इन कलाकारों ने गाइए गणपति जग वंदन... पर शुद्ध कथक का आकर्षक भंगिमाओं में रूप लावण्य दर्शाया। हारमोनियम व गायन पर कशिश कंवर व भूमिका रहीं। संस्थान सचिव अमित अनुपम ने बताया कि समारोह के दूसरे दिन 15 नवंबर को संस्थान के शास्त्रीय नगर स्थित परिसर में प्रातःकालीन संगीत सभा होगा। इसमें शहर के फनकार गुलजार हुसैन वायलिन साज पर प्रातःकालीन राग-रागनियों के सुरों का सम्मोहन बिखेरेंगे। इसी प्रकार 16 नवंबर को शाम 4:00 बजे संस्थान परिसर में अनेक कलाकार बॉलीवुड के लेजेण्डरी संगीत निर्देशक सलिल चौधरी व रोशन के संगीतबद्ध गीतों की माला पिरोएंगे।

नरेश मीना के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

■ संजीवनी टुडे

अलवर। जिले के विभिन्न कर्मचारी/अधिकारी संगठनों द्वारा बुधवार को टोंक जिले के देवली उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा राजकीय कर्ताओं का निर्वहन कर रहे उपखंड अधिकारी अमित चौधरी पर चुनाव ड्यूटी के दौरान हाथापाई करने, थप्पड़ मारने तथा विभिन्न राजकीय वाहनों में आगजनी करने के विरोध स्वरूप अलवर जिले के विभिन्न कर्मचारी/अधिकारी संगठनों द्वारा उक्त कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए तथा प्रकरण में नरेश मीणा पर कठोर से कठोर अनुशासनात्मक तथा कानूनी कार्रवाई हेतु जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला को मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। राजस्थान ग्रामीण विकास सेवा परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष व अलवर एसीईओ बबली राम जाट ने बताया कि चुनाव ड्यूटी के दौरान पोलिंग बूथ पर रिटर्निंग अधिकारी पर हाथ उठाते हुए चुनाव प्रक्रिया को बाधित किया जाना घोर कानूनी अपराध की श्रेणी में आता है। नरेश मीणा द्वारा पूरे प्रदेश के कार्मिकों ओर अधिकारियों की अस्मिता

पर हाथ उठाया है जो घोर निंदनीय है। कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा नरेश मीणा पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रकरण में आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। इस ज्ञापन के दौरान राजस्थान ग्रामीण विकास सेवा परिषद के पूर्व अध्यक्ष, रोस्कॉन के पूर्व महासचिव एवं वर्तमान उपाध्यक्ष बबलीराम जाट, पंचायत राज अतिरिक्त विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह बबेली, राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष मनोज यादव, पंचायत राज मंत्रालयिक संगठन के जिलाध्यक्ष दीपक यादव, रोजगार सेवक संघ के अध्यक्ष महेंद्र तिवारी, चित्रपाल सिंह चौधरी, महामंत्री दयाराम गुर्जर, राजस्थान कंप्यूटर कार्मिक संघ के प्रतिनिधि, राजस्थान कानूनगो संघ के अध्यक्ष सुरेश पाल, राजस्थान तहसीलदार एसोसिएशन की प्रतिनिधि रश्मि शर्मा, राजस्थान रजिस्ट्रार संघ प्रतिनिधि मोनिका शर्मा, राजस्थान राजस्व सेवा परिषद के पदाधिकारी यशवंत कुमार शर्मा, पटवार संघ के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की बैठक में दिए दिशा-निर्देश

■ संजीवनी टुडे

राजसमंद। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योगों के विकास और इससे संबंधित समस्याओं को दूर करने की दृष्टि से विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की बैठक ली। कलक्टर ने निर्देश दिए कि अधिकारी और औद्योगिक संगठन आपस में समन्वय रखते हुए समस्याओं का समाधान करें एवं जिले को औद्योगिक दृष्टि से आगे ले जाएं। कलक्टर ने जिले में उद्योगों के विकास एवं समस्याओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कई दिशा-निर्देश दिए। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना अंतर्गत उद्योगों को अधिकाधिक लाभान्वित करने पर भी चर्चा की। उन्होंने बजट घोषणा के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रीको औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना की प्रगति, डम्पिंग यार्ड प्रबंधन, औद्योगिक प्रयोजनार्थ भू रूपांतरण, रीको के अतिरिक्त अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली व रास्ते की समस्या आदि को लेकर चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा सियाणा, जेतपुरा, बामनटुकडा आदि अन्य क्षेत्रों में औद्योगिक इकाईयों तक पक्की रोड नहीं होने से आवागमन की समस्या, बिजली कटौती संबंधी समस्याओं, औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण, ऐसे ही कुम्भलगढ क्षेत्र में बिजली व सडकों की समस्या, बग्गड औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटन की समस्या आदि को लेकर दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक भानु प्रताप सिंह राणावत, रीको के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके गुप्ता, राज्य कर उपायुक्त रविंद्र सिंह चुंडावत, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता बी एस शर्मा, खनिज अभियंता (प्रथम) जिनेश हुम्मड, राजसमंद पंचायत समिति के विकास अधिकारी महेश गर्ग आदि रहे।

हादसे के बाद हरकत में आया शिक्षा विभाग: निजी विद्यालयों की जांच के लिए बनाई टीम, गोला का बास में निजी विद्यालयों का किया निरीक्षण, थमाएं नोटिस

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ (अलवर)। गत 11 नवंबर को उपखंड क्षेत्र के गोला का बास में एक निजी विद्यालय की बालिका की स्कूल वाहन से मौत के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया। गुरुवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामगोपाल मीना के नेतृत्व में शिक्षा अधिकारियों ने गोला का बास के अनेक विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर निजी विद्यालयों की जांच की। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामगोपाल मीना ने बताया कि गुरुवार को गोला का बास में संचालित इण्डियन पब्लिक स्कूल का निरीक्षण किया गया जिसमें उक्त विद्यालय घटना के बाद से ही बंद है। वहीं मां शारदा विद्या मंदिर, गुरूकुल पब्लिक स्कूल, आदर्श विद्या मंदिर गोला का बास, टैगोर शिक्षण एवं विकास समिति शिक्षण संस्थान गोला का बास का निरीक्षण कर विभागीय मापदंड अनुसार विद्यालय संचालन तथा बाल वाहिनी के संचालन के सम्बन्ध में जांच की गई। जांच दल ने बालिका के पीड़ित परिजनों से भी मिलकर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ब्लॉक के समस्त निजी विद्यालयों की आगामी दिनों में जांच के लिए टीम का गठन किया गया है जो विद्यालय मापदण्डानुसार संचालित हो रहे हैं या नहीं तथा बाल वाहिनी का संचालन विभागीय दिशा

निर्देश अनुसार हो रहा है या नहीं की जांच करेगी। यदि किसी विद्यालय द्वारा विभागीय मापदंड अनुसार संचालित नहीं पाया जाता है तो इसके लिए उच्च अधिकारियों को कार्यवाही के लिए लिखा जायेगा। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है। विद्यालय में जहां भी कमियां पाई जाएगी उन सभी विद्यालयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच दल में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामगोपाल मीना, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमल कुमार मीना, प्रधानाचार्य भजेड़ा मनोज कुमार शर्मा, प्रधानाचार्य गोला का बास सीताराम मीना, बिरखड़ी प्रधानाचार्य विवेक शर्मा रहे। टीम के सदस्यों द्वारा विद्यालय छुट्टी के उपरांत रास्ते में निजी विद्यालयों के वाहनों की भी जांच की गई।

घटना के बाद से बंद है इण्डियन पब्लिक स्कूल, बच्चों की पढ़ाई हो रही है चौपट

11 नवंबर को बालिका की मौत के बाद से ही इण्डियन पब्लिक स्कूल बंद है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मीना ने बताया कि विद्यालय के आसपास के लोगों से जानकारी करने, अभिभावकों से सम्पर्क करने पर पाया गया कि बैठकों में विद्यालय के संचालक को ड्राइवर द्वारा तेज स्पीड में गाड़ी चलाने, कान में मोबाइल की लीड लगाकर चलाने, लापरवाही से गाड़ी चलाने की शिकायत की गई थी परन्तु विद्यालय प्रबंधन द्वारा इन शिकायतों पर कोई गौर नहीं किया गया। यदि समय पर इन शिकायतों पर गौर किया जाता तो यह हादसा होने से बच जाता। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से विद्यालय बंद है। विद्यालय बंद होने से बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है। विद्यालय प्रबंधक को फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन मोबाइल बंद आ रहा है।

इनका कहना

"ब्लॉक में संचालित निजी विद्यालयों की जांच के लिए जांच दलों का गठन किया जा चुका है। जो ब्लॉक में संचालित सभी निजी विद्यालयों की जांच करेगी। यदि कोई भी विद्यालय विभागीय मापदंड अनुसार संचालित नहीं हो रहा है या बाल वाहिनी का संचालन नियमानुसार नहीं हो रहा है तो उन विद्यालयों के खिलाफ मान्यता समाप्ति के लिए उच्च अधिकारियों को लिखा जाएगा। गुरुवार को गोला का बास के विद्यालयों की जांच की गई। जिसमें विद्यालयों को नोटिस जारी कर सोमवार को नोटिस का जबाब के लिए सीबीईओं कार्यालय में बुलाया गया है।

रामगोपाल मीना, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजगढ़

खबरें फटाफट

दीया कुमारी ने 'जगत गुरु - गुरु नानक देव जी' पुस्तिका का किया विमोचन

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। सिक्ख धर्म के संस्थापक धन गुरु नानक देव जी का 555 वां प्रकाश पुरब शुक्रवार ,15 नवंबर को सभी गुरुदवारों में हर्षो-उल्लास से मनाया जाएगा। प्रकाश पुरब को समर्पित पुस्तिका- 'जगत गुरु-गुरु नानक देव जी' का विमोचन उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा, आज प्रकाश पुरब की पूर्व संध्या पर सिटी पैलेस में किया गया। यह पुस्तिका 'सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क' द्वारा प्रकाशित की गई है। इस दौरान सोसायटी की पिंकी सिंह, सूर्य उदय सिंह, चेतन नागपाल, पुष्पिन्द्र कौर, सरवजीत कौर, हरविन्द्र सिंह व जगदीप सिंह उपस्थित रहे। सोसायटी की पिंकी सिंह द्वारा संकलित इस पुस्तिका का उद्देश्य बच्चों को गुरु नानक देव जी के जीवन से जुड़ी घटनाओं के बारे में अवगत कराना है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोसायटी के सदस्यों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

चौबे जी की जयंती पर 141 भक्तजनों ने किया रक्तदान

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। श्री खोले के हनुमान मंदिर व श्री न र व र आश्रम सेवा समिति (प्रन्यास) के संस्थापन ब्रह्मलीन पं. राधेलाल चौबे की 96वीं जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर में 141 भक्तजनों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया तथा करीब दो सौ श्रद्धालुओं ने चिकित्सा परामर्श का लाभ लिया। समिति के अध्यक्ष गिरधारी लाल शर्मा ने बताया कि ब्रह्मलीन पं. चौबे जी की जयंती पर गुरुवार को उनकी समाधी पर सामूहिक सुंदरकाण्ड के पाठ किए गए इसके बाद रक्तदान व चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 141 भक्तजनों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। चिकित्सा शिविर में 200 भक्तजनों ने प्राथमिक जांच व उपचार करा निःशुल्क दवाईयां प्राप्त की, इसके अलावा शिविर में करीब 20 भक्तों ने नेत्रदान संकल्प फार्म भरा। रक्तदान में सवाई मानसिंह अस्पताल ब्लड बैंक व चिकित्सा शिविर में महात्मा गांधी अस्पताल के चिकित्सकों ने सेवाएं दी। चौबे जी की स्मृति में मंदिर परिसर में वृक्षारोपण, गऊ सेवा कर, कुष्ठ रोगियों को भोजन प्रसादी कराई गई। संध्या में श्री युवा सत्संग रामायण समिति ने सुंदरकाण्ड का पारायण किया। रात्रि में हजारों भक्तजनों की मौजूदगी में चौबे जी की समाधी पर महाआरती की गई। इस अवसर पर समाधी स्थल पर फूल बंगला की झांकी व रोशनी की गई।

डॉ. हर्षल ऑप्थ्मोलॉजिकल सोसायटी के सचिव बने

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान ऑप्थ्मोलॉजिकल सोसायटी के उदयपुर में सम्पन्न वार्षिक अधिवेशन एवं

चुनाव में जयपुर के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्षल टाक सचिव पद पर निर्वाचित हुए। डॉ. हर्षल टाक, रावत आई एण्ड फैको सर्जरी सेन्टर के निदेशक है व पूर्व में राजस्थान ऑप्थ्मोलॉजिकल सोसायटी के साइन्टिफिक कमैटी के चेयरमैन व कोषाध्यक्ष भी रहे है। डॉ. हर्षल टाक ने बताया कि उनका लक्ष्य राजस्थान में पीजी शिक्षा को बढ़ावा देना व युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों को शल्यक्रिया में निपुणता दिलाना है व सभी सदस्यों के विकास के लिए राष्ट्रीय व अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर अवसर उपलब्ध कराना है।

संबोधि मेडिटेशन कैंप 27 दिसम्बर से

■ संजीवनी टुडे

जोधपुर। राष्ट्रसंत चंद्रप्रभ महाराज के सान्निध्य में 27 दिसम्बर से 1 जनवरी 2025 तक संबोधि मेडिटेशन कैंप का विशेष आयोजन जोधपुर के कायलाना रोड स्थित संबोधि धाम में होगा जिसमें साधकों को 6 दिन तक लगातार आरोग्य लाभ, अंतर मन की शांति और अतींद्रिय शक्ति जागरण के लिए विशेष प्रयोग करवाए जाएंगे एवं जीवन को पॉजिटिव, पावरफुल और प्योरीफाइड बनाने से जुड़ा हुआ दिव्य मार्गदर्शन दिया जाएगा। शिविर प्रभारी डॉ. शांतिप्रियसागर महाराज के अनुसार ने संबोधि धाम में आयोजित हो रहे छः दिवसीय आवासीय शिविर के अंतर्गत देशभर से साधक जोधपुर आएंगे। शिविर में प्रतिदिन आरोग्य सत्र, जीवन जीने की कला सत्र, जिज्ञासा समाधान सत्र और ध्यान साधना व भक्ति योग सत्र होंगे। शिविर में 18 वर्ष से ऊपर के सभी लोग भाग लेसकेंगे।

कोटा शिक्षा की भूमि है: मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री

■ संजीवनी टुडे

कोटा। स्टूडेंट्स को कभी निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि हर पल नया जीवन है और नई संभावनाएं हैं। अपनी राह तय करें और ईमानदारी से मेहनत करते रहें। आप जिस मार्ग पर चलेंगे सफलता आपका इंतजार कर रही है। विद्यार्थियों को नींद पर्याप्त लेनी चाहिए, व्यायाम करना चाहिए और टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करना चाहिए। ध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने ये बात कोटा के एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में विद्यार्थियों से संवाद के दौरान कही। यहां जवाहर नगर स्थित एलन सत्यार्थ कैम्पस में हुए इस संवाद में उन्होंने विद्यार्थियों को धर्म, अध्यात्म और इसके वैज्ञानिक पहलुओं के बारे में बताया। कार्यक्रम में एलन के निदेशक राजेश माहेश्वरी व डॉ.नवीन माहेश्वरी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि कोटा शिक्षा की धरती है और विद्यार्थियों के बीच आकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। ऐसा लग रहा है मेरे पुराने दिन लौट आए। यहां ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। विद्यार्थियों को सीख देते हुए डॉ.यादव ने कहा कि मैं स्वयं एक उदाहरण हूं। मेरा चयन प्री मेडिकल टेस्ट में हो गया था। इंदौर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन मिल गया था लेकिन मैंने बीएससी की, फिर राजनीति क्षेत्र चुना। खूब मेहनत की। आज आप सभी के सामने मुख्यमंत्री के रूप में हूं। जीवन के जिस भी मार्ग पर चलें, आत्मविश्वास रखें वहां सफलता आपका इंतजार कर रही है। जब भी आपको लगे कि असफल हुए हैं, निराश नहीं हों, एक राजनीतिक व्यक्ति की तरफ देखें। उनके

जीवन में कितने उतार-चढ़ाव आते हैं। उन्होंने कहा कि अब्राहम लिंकन ने जीवन में कितने चुनाव हारे, लेकिन जब जीते तो राष्ट्रपति बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 51 वर्ष की उम्र तक कोई चुनाव नहीं लड़े, जब लड़े तो मुख्यमंत्री बने, अब सांसद का चुनाव लड़े तो प्रधानमंत्री बने। आपके लिए कौनसा अवसर किस आयु में कब इंतजार कर रहा है, इसके बारे में कोई नहीं बता सकता। हां, हमें प्रयास करते रहने चाहिए। हमारे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार मेहनत करते रहें। मेडिकल प्रवेश परीक्षा हो या इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा चुनौतियां हर जगह है लेकिन हमें पूरी ईमानदारी से सफलता के लिए प्रयास करना है। डॉ.यादव ने कहा कि विद्यार्थी विज्ञान का अध्ययन करते हैं, ऐसे में उन्हें ग्रह-नक्षत्र के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की भी जानकारी रखनी चाहिए। उन्होंने श्रीकृष्ण जैसे विद्यार्थी बनने की बात कही, जिन्होंने शिक्षा के लम्बे अंतराल के बाद महाभारत के युद्ध में गीता उपदेश दिए, जिसमें सभी वेदों का सार है। यदि विद्यार्थी पूरे मनोयोग से सीख रहा है तो जो ग्रहण करेगा वो जीवनभर साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि दोस्त भी कृष्ण सुदामा की तरह होने चाहिए, जिसमें विश्वास हो। बरसों बाद मिलें लेकिन एक दूसरे में अटूट विश्वास रखते हुए साथ रहें। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कार्यक्रम में मौजूद मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों से भी संवाद किया। उन्होंने राजस्थान और मध्यप्रदेश के मध्य में पर्यटन विकास को लेकर हो रहे समझौतों के बारे में बताया। इससे पूर्व एलन के विद्यार्थियों ने बड़ा पुष्पाहार पहनाकर मुख्यमंत्री डॉ.यादव का स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा भी मौजूद रहे। निदेशक राजेश माहेश्वरी व डॉ.नवीन माहेश्वरी ने मुख्यमंत्री को रामलला की तस्वीर भेंट कर आभार व्यक्त किया।

इंदौर में नए फुलफिलमेंट एवं सॉर्टेशन सेंटर की लॉन्चिंग के साथ फ्लिपकार्ट ने एमपी में सप्लाई चेन क्षमता बढ़ाई

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने इंदौर, मध्य प्रदेश में अत्याधुनिक फुलफिलमेंट एवं सॉर्टेशन सेंटर (एफएससी) खोला है। यह सेंटर 1.59 लाख वर्ग फीट में बना है। इस रणनीतिक निवेश से राज्य में डिलीवरी की गति तेज होगी,स्थानीय स्तर पर 600 से ज्यादा रोजगार सृजित होंगे और राज्य के सभी पिन कोड तक डिलीवरी सर्विस उपलब्ध कराई जाएगी। यह सेंटर बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय प्रगति को लेकर फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को दिखाता है। सेंटर की लॉन्चिंग के मौके पर सांसद शंकर लालवानी, फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफ़ेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार व अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। यह सेंटर मध्य प्रदेश में विस्तार करने के फ्लिपकार्ट के प्रयासों की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। इस अवसर पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफ़ेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'फ्लिपकार्ट पूरे भारत में समावेशी विकास और डिजिटल सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय समुदायों संग हमारे जुड़ाव के साथ-साथ

इंदौर, मध्य प्रदेश में नए फुलफिलमेंट सेंटर की लॉन्चिंग सतत विकास को बढ़ावा देने, एमएसएमई को समर्थन देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। स्थानीय समुदायों को जरूरी टूल्स, बाजार तक पहुंच और मजबूत सप्लाई चेन से लैस करते हुए हम उन्हें सतत आजीविका के सृजन में मदद कर रहे हैं और भारत के व्यापक आर्थिक विकास में सक्रियता से भूमिका निभा रहे हैं। फ्लिपकार्ट लगातार मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है। इसके प्लेटफॉर्म पर मध्य प्रदेश के 42,000 से ज्यादा सेलर्स जुड़े हैं। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के साथ साझेदारी करते हुए फ्लिपकार्ट ने स्थानीय उद्यमों के लिए अपने समर्थन को और भी मजबूती दी है।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी 4 विशेष एमडीपी के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की उन्नति का नेतृत्व करेगी

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भारत में अग्रणी स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान विश्वविद्यालय, आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी नवंबर 2024 के लिए निर्धारित विशेष अत्याधुनिक प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (एमडीपी) की एक श्रृंखला की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। ये कार्यक्रम स्वास्थ्य पेशेवरों को सार्वजनिक स्वास्थ्य, परिचालन प्रबंधन, विकास क्षेत्र अनुदान, मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन और लैंगिक समानता और सतत विकास में उन्नत कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किए गए हैं। इन आगामी एमडीपी पर टिप्पणी करते हुए, आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. पीआर सोडानी ने कहा, "हेल्थकेयर मैनेजमेंट और रिसर्च में अग्रणी होने के नाते, हमारा संस्थान पेशेवरों को ऐसे उपकरण, जानकारी और अंतर्दृष्टि से लैस करने के लिए समर्पित है, जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा पर पर्याप्त प्रभाव डालने के लिए

आवश्यक हैं। हमारे आगामी एमडीपी हेल्थकेयर दक्षता, मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता और विकास क्षेत्र प्रबंधन सहित महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो हेल्थकेयर इकोसिस्टम के विकास में योगदान देने के लिए हमारी जागरूकता और तत्परता को प्रदर्शित करते हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य कुशल पेशेवरों के एक समुदाय को बढ़ावा देना है, जो पूरे समाज को लाभ पहुंचाने वाले परिवर्तनकारी बदलावों को आगे बढ़ाने में सक्षम हों। 18 से 22 नवंबर तक चलने वाले ये एमडीपी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों को कवर करते हैं। पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा संचालन प्रबंधन में विश्लेषण और निर्णय समर्थन, विकास क्षेत्र में अनुदान और अनुबंधों का प्रबंधन, मानसिक विकारों का आकलन, पता लगाना और प्रबंधन, और लैंगिक समानता और सतत विकास लक्ष्यों को सशक्त बनाना जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य पेशेवरों को सशक्त बनाना और उन्हें स्वास्थ्य सेवा, विकास, मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक समानता में समकालीन चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कौशल से लैस करना है। आईआईएचएमआर के प्रतिष्ठित संकाय के नेतृत्व में आगामी एमडीपी को गहन, व्यावहारिक शिक्षण और व्यावहारिक रूपरेखा प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। प्रत्येक कार्यक्रम सामाजिक विकास और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन में योगदान देने के विश्वविद्यालय के मिशन के साथ संरेखित होता है।

जयपुर - उदयपुर की खूबसूरती का अहसास कराता है एनएच-8

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान, भारत का वह राज्य है जो अपने ऐतिहासिक किलों, महलों, संस्कृति और रजवाड़ों के गौरवशाली इतिहास के लिए जाना जाता है। राजस्थान की यह शान और सौंदर्य देखने के लिए एनएच 8 (राष्ट्रीय राजमार्ग 8) एक बेहतरीन मार्ग है। यह राजमार्ग राजस्थान के दो प्रमुख शहरों, जयपुर और उदयपुर, को जोड़ता है और यात्रियों को इन दोनों शहरों के अद्वितीय आकर्षणों का अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है। एनएच8 के रास्ते जयपुर पहुँचते ही, 'पिंक सिटी' के नाम से मशहूर यह शहर अपने गुलाबी रंग के ऐतिहासिक भवनों और सुंदर वास्तुकला से आपका मन मोह लेता है। यहाँ के प्रमुख आकर्षणों में आमेर किला, हवा महल, जंतर मंतर और सिटी पैलेस शामिल हैं। आमेर किले की भव्यता, हवा महल की खूबसूरती और सिटी पैलेस की भव्यता देखकर आप राजस्थान की संस्कृति और शाही जीवनशैली की झलक पा सकते हैं। जयपुर में स्थानीय बाजारों, जैसे कि जौहरी बाजार और बापू बाजार में खरीदारी का अनुभव भी बेहद रोचक होता है, जहाँ राजस्थानी हस्तशिल्प, आभूषण और कपड़ों का अनोखा संग्रह मिलता है। यात्रा को आगे बढ़ाते हुए उदयपुर पहुंचना एक विशेष अनुभव प्रदान करता है। 'सिटी ऑफ लेक्स' (झीलों का शहर)के नाम से जाना जाने वाला उदयपुर अपनी सुंदर झीलों और राजसी महलों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ का लेक पिचोला, फतेह सागर झील, सिटी पैलेस और सज्जनगढ़ किला (मानसून पैलेस) प्रमुख आकर्षण हैं। लेक पिचोला में नाव की सवारी करते हुए आप जग मंदिर और लेक पैलेस का दृश्य देख सकते हैं, जो उदयपुर की शाही धरोहर का हिस्सा हैं।

सिटी पैलेस का राजसी स्थापत्य और सज्जनगढ़ से सूर्यास्त का नज़ारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। एनएच 8 न केवल जयपुर और उदयपुर के बीच तेज और सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करता है, बल्कि यह राजस्थान की ग्रामीण सुंदरता, अरावली पहाड़ियों और हरे-भरे खेतों के दृश्य भी प्रस्तुत करता है। यात्रा के दौरान मार्ग में आने वाले छोटे कस्बों और गाँवों की संस्कृति, स्थानीय व्यंजन और साधारण जीवनशैली भी एक यादगार अनुभव का हिस्सा बन जाते हैं। एनएच 8 के माध्यम से राजस्थान की यात्रा करना न केवल समय की बचत करता है, बल्कि यह एक ऐसे मार्ग पर चलने का अवसर प्रदान करता है जो इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ है। जयपुर और उदयपुर जैसे शहरों का दीदार कर आप राजस्थान की भव्यता और शाही ठाट-बाट को महसूस कर सकते हैं।

गौड़ ब्राह्मण महासभा की कार्यकारणी बैठक सम्पन्न

■ संजीवनी टुडे

चूरू। गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान कार्यकारणी की बैठक महासभा के विश्वनाथ शर्मा, शिक्षाविद बाबूलाल शर्मा, बनवारी लाल शर्मा व हुकमी चंद गौड़ के आतिथ्य में हुई। जबकि बैठक की अध्यक्षता महासभा के जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने की। मिडिया प्रभारी डॉ श्रवण शर्मा ने बताया कि जिलाध्यक्ष श्री सहल ने सभी के सामने गौड़ ब्राह्मण समाज में चूरु तहसील का प्रतिभा सम्मान समारोह 29 दिसंबर को अयोजित करने का प्रस्ताव रखा। जिसको सर्वे सम्मति से पारित किया। आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक में 80 प्रतिशत, स्नातक /स्नातकोत्तर परीक्षा में 65 प्रतिशत एवं अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को समानित किया जावेगा। इसके अलावा एनडीए, सीडीएस, अग्निवीर, राजकीय सेवा,प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, न्यायिक सेवा, राष्ट्रीयकृत बैंकों में अंतिम रूप से चयन के साथ नीट, आईआईटी, आईआईएम, यूजी या पीजी में चयन होने वाले व्यक्ती को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सीए, एमबीबीएस, एमडी, एमएस, बीएएमएस, एमएचएमएस, पीएचडी, जेआरएफ में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों व राज्य, राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ी को भी सम्मानित किया जाएगा । शर्मा ने बताया कि रजिस्ट्रेशन के लिए डाटा जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल, सचिव पुनित लाटा व कोषाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा एडवोकेट को आगामी सीसी 20 दिसम्बर तक व्हाटसप एप्प पर भिजवा सकते हैं।

लुईस फिलिप ने शादियों के सीजन के लिये जयपुर मे पेश किया 'रॉयल वेंडिंग ट्रेज़र्स'

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के प्रतिष्ठित मेन्सवियर ब्रैंड लुईस फिलिप ने अपनी नई "रॉयल वेडिंग ट्रेजर्स" कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कलेक्शन आज के आधुनिक दूल्हे के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो पारंपरिकता को सम्मान देते हुए समकालीन स्टाइल को अपनाना चाहता है। यह कलेक्शन ब्रैंड की अद्वितीय कारीगरी और खूबसूरती को प्रदर्शित करता है, जो निश्चित रूप से दूल्हे के आत्मविश्वास और आकर्षण को शादी के खास दिन पर और बढ़ाएगा। लुईस फिलिप का खास 'रॉयल वेडिंग ट्रेज़र्स' कलेक्शन परंपरागत विवाह समारोहों की भव्यता एवं सांस्कृतिक समृद्धि को दिखाता है। इसमें डिजाइन के आधुनिक तत्वों को भी बड़ी ही आसानी से शामिल किया गया है। हर पीस एक सुंदर आर्ट वर्क प्रस्तुत करता है और इन्हें वेलवेट जैसे प्रीमियम फैब्रिक्स से कुशलतापूर्वक बनाया गया है। साथ ही खूबसूरत जड़ाई का काम भी इसमें हुआ है। बंदगले पर महीन एम्ब्रॉइडरी और सीक्विन्स का काम किया गया है, जोकि रॉयल मोटिफ्स से प्रेरित है। इनमें की गई कारीगरी का स्तर जो दूल्हे के परिधान को

राजसी दर्ज़ा देता है। इस कलेक्शन में पुराने जमाने के डिजाइन और नए जमाने के फैशन का संयोजन किया गया है। इसमें टू-पीस और थ्री-पीस सूट्स तथा समारोहों में पहनने के लिए शर्ट्स पेश की गई हैं। ये कपड़े शादियों में दूल्हे के लिए बहुत अच्छे लगते हैं और उन्हें खास बनाते हैं। इन कपड़ों के रंग बहुत ही खूबसूरत हैं, जैसे कि डीप रॉयल ब्लूज, रिच ग्रीन्स, क्लासिक आइवरी तथा गोल्ड। इसमें ब्रांड की क्लासिक विशेषज्ञता को आधुनिक डिजाइनों एवं शानदार टेक्सचर्स के साथ मिलाया गया है और ये दूल्हे को एक अलग ही लुक देंगे। इस कलेक्शन के बारे में बात करते हुए, लुईस फिलिपे की मुख्य परिचालन अधिकारी सुश्री फरीदा कलियादान ने कहा, "लुईस फिलिप में हमारा मानना है कि परंपरा को देखते हुए शादियों में खुद की शख्सियत को दिखाना बहुत मायने रखता है। यह कलेक्शन उसी भावना का सम्मान करने के लिये तैयार किया गया है और दूल्हों को पूरे ठाठ-बाट, शान और आधुनिक फैशन का बेजोड़ संगम प्रदान करता है। इस खास लॉन्च को यादगार बनाने के लिये लुईस फिलिप अपने ग्राहकों के लिये एक खास प्रतियोगिता लेकर आया है। लुईस फिलिप के किसी भी एक्सक्लूसिव स्टोर या वेबसाइट/ ऐप से 4 नवंबर से लेकर 30 नवंबर के बीच 20,000 रूपये या अधिक की खरीदारी करने पर ग्राहकों को रोमांचक इनाम जीतने का मौका मिलेगा।

बाबा खींवादास पीजी महाविद्यालय, सांगलिया में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पहला उद्देश्य स्टूडेंट का सर्वांगीण विकास कर बेहतर नागरिक तैयार करना हैः कुलपति प्रो. अनिल राय

■ संजीवनी टुडे

सीकर। बाबा खींवादास पीजी महाविद्यालय, सांगलिया में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वयन की चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय,सीकर के कुलपति प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पहला उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास कर बेहतर नागरिक तैयार करना है। व्यक्तित्व निर्माण ऐसा होना चाहिए जिसमें परिवार, समाज, संस्कृति, संवेदना, मानवता के साथ ही उत्कृष्ट ज्ञान होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में थ्यौरी के साथ ही प्रायोगिक तरीके से हर चीज का बारीक अध्ययन करवाना है ताकि वह मन-मस्तिष्क में लंबे समय तक रह सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारी प्रतिभाएं विदेशी यूनिवर्सिटी में जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार दुनिया के सबसे बड़े व प्रतिष्ठित 100 यूनिवर्सिटी के कैंपस तैयार करने के लिए उन्हें भारत में जगह व अन्य संसाधन उपलब्ध करवाएगी। वहीं हमारे देश के टॉप 100 यूनिवर्सिटी को भी विदेशी धरती पर अपनी यूनिवर्सिटी खोलने के लिए मदद करेगी। जिससे कि हमारे यहां की प्रतिभा को निखरने के साथ ही देश में रोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रतिभाओं का विदेशी पलायन भी रूक सकेगा। गोष्ठी की अध्यक्षता अखिल भारतीय सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर ओमदास महाराज ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को आर्शीवचन देते हुए अपने लक्ष्य को पाने व जिद कर दुनिया जीतने का मंत्र दिया। कुलपति प्रो. डॉ. अनिल राय ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सबको कौशल के लिए इंटर्नशिप करना जरूरी हो गया है। इसमें युवाओं को कौशलयुक्त बनाया जाने पर अधिक जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छह साल में भारत में हम एक भी डिजीटल यूनिवर्सिटी नहीं बना सके हैं, जबकि

पाकिस्तान में डिजीटल यूनिवर्सिटी है। हमें एआई, ऑनलाइन एजुकेशन सहित अन्य विद्याओं में पारंगत होने की जरूरत है और इसके लिए हमें शिक्षकों व विद्यार्थियों दोनों को डिजीटल प्लेटफॉर्म तैयार करने के साथ ही उन्हें इसमें रूचि लेने के लिए जाग्रत करना होगा। अध्यापक और छात्र दोनों के बीच डिजीटल एजुकेशन को लेकर सामंजस्य नहीं बैठ पा रहा है। कुछ जगह पर संसाधानों का भी अभाव है। कुलपति प्रो. अनिल राय ने कहा कि देश में 90 के दशक के बाद एमबीए और इंजीनियरिंग कालेज कुकुरमुत्ते की तरह खुल गए थे, इनमें से अधिकांश कॉलेज विगत एक दशक में बंद हो गए हैं। इसके पीछे मुख्य कारण यह रहा कि आईआईटी, एनआईटी व देश के एमबीए संस्थानों से निकले प्रतिभावान छात्र बाहर चले गए। बचे हुए देश की बड़ी कंपनियों में चले गए और शेष जो अंत में बचे वे शिक्षक की भूमिका निभाने लगे, जिससे कि संस्थानों के कार्य, शिक्षण, तकनीकी आदान-प्रदान में कमी आई। यही नहीं इन संस्थानों ने तकनीक, कौशल व प्रायोगिक ज्ञान के लिए पर्याप्त संसाधन भी नहीं जुटाए थे। ऐसे में अब जरूरी है कि शोध और शोधार्थियों के बीच आपसी तारतम्य, व्यवहार, परस्पर सहयोग, भावनात्मक जुड़ाव होना चाहिए। देश में बड़े शोध संस्थान और शोध के लिए यूनिवर्सिटी खुले। जब एयर कंडीशनर कमरों में बैठकर कृषि नीतियां बनने लगी तभी हमारे देश में कृषि का विघटन शुरू हूआ जिसके चलते जो कृषकों के ये हालात हुए हैं। कुलपति प्रो. अनिल राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2017 में बनाकर उस पर काम शुरू किया गया जो 2020 में बनकर तैयार हुई है। यह शिक्षा नीति विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा नीति है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तैयार करने में 33 करोड़ लोगों ने अपने विचार रखे थे। वहीं एक लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में भी इस पर ग्रामीणों ने अपने विचार रखे थे। हमारे बीच में एक अंधकार युग आया जिसने हमारे विग्यान, संस्कृति, इतिहास, ज्ञान, को भुलाया गया है। उन्होंने बताया कि विदेशी व आयातित सिद्धांतों से हमने कृषि, राजनीति, आदि को अपनाया है जो कि गलत है। विशिष्ट अतिथि एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री अंकित मंगल ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने तीन अभियान चलाए थे, और तीनों को ही मुकाम तक पहुंचाया है। एबीवीपी छात्रों और शिक्षकों के बीच में काम कर रहा है। शिक्षा से पहले अच्छे संस्कार, संस्कृति और आपसी व्यवहार पर जोर देना चाहिए। एबीवीपी नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों और कॉलेजों के स्टूडेंट्स के बीच तारतम्य बना रही है। एबीवीपी कृषि, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण, संस्कृति, साहित्य सहित हर फील्ड में अपना शत प्रतिशत दे रही है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों व आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

समाज विज्ञानियों को ढूंढना होगा मनोविकारों का हल

वर्ल्ड हेल्थ ओरगनाइजेशन की 2018 की रिपोर्ट ना केवल चेताने वाली है अपितु गंभीर चिंता का कारण भी है। रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में कुल आबादी की करीब साढ़े छह फीसदी आबादी किसी ना किसी रुप में गंभीर मानसिक रोग से पीड़ित है। इससे पहले 2017 की रिपोर्ट में यह साफ हो चुका है कि पिछले आठ सालों में देश में डिप्रेशन के शिकार लोगों की संख्या में 50 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। यह भी गंभीर तथ्य है कि डिप्रेशन या यों कहें कि अवसाद के 18 प्रतिशत रोगी भारत में निवास करते हैं। मजे की बात यह है कि अध्यात्म और योग के देश में डिप्रेशन कें गिरफ्त में इतनी अधिक संख्या में होना और डिप्रेशन की बढ़ती दर आखिर हमारे जीवन शैली और सामाजिक ताने?बाने के नकारात्मक दिशा में बढ़ने की और साफ?साफ इशारा है। डिप्रेशन के शिकार आज युवा ही नहीं बालक?वृद्ध सभी होने लगे हैं। केरियर की चिंता और पेरेंटस की प्रतिस्पधा के शिकार बालक डिप्रेशन का शिकार होते जा रहे हैं। यही कारण है कि बालकों तक की आत्म हत्याओं का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। कोचिंग संस्थानों में कोचिंग लेते बच्चों के आत्महत्या करने की घटनाएं आए दिन होने लगी है। समाज में गुस्सा अब आम होता जा रहा है। सहनशक्ति जबाव देने लगी है। रोड रेज की घटनाएं आम होती जा रही है तो जरा सी कहासुनी में जान तक लेलेना सामान्य बात होती जा रही है। आखिर यह सब हमारी जीवन शैली व सामाजिक व्यवस्था के बिखराब का ही संकेत है। हांलाकि यह साफ हो जाना है कि डिप्रेशन या मानसिक विकारों का कारण और समाधान हमारी सामाजिक व्यवस्था और जीवन शैली से ही निकाला जा सकेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 2020 आते आते डिप्रेशन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बीमारी हो जाएगी। हांलाकि पहली बड़ी बीमारी हार्ट की बीमारी का एक कारण डिप्रेशन भी है। बदलती जीवन शैली और भागम भाग की जिंदगी में आज का युवा डिप्रेशन का शिकार होता जा रहा है। युवाओं में मनोरोग तेजी से पांव पसार रहा है। देश दुनिया में मनोरोगियों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। डिप्रेशन के कारण कुंठा, अवसाद, चिडचिड़ापन यहां तक की आत्म हत्याओं का ग्राफ भी दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। और अधिक कमाने, और अधिक सहेजने की होड़ में युवा खोता जा रहा है। संयुक्त परिवार का विघटन, नौकरी में लक्ष्य प्राप्ति के लिए अत्यधिक दबाव, अनावश्यक प्रतिस्पर्धा, दूसरे के सुख से दुबले होना आदि ऐसी प्रवृतियां विकसित होती जा रही है जिससे व्यक्ति कुंठाग्रस्त होकर डिप्रेशन का शिकार होता जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार कार्य क्षेत्र पर अत्यधिक दबाव और टारगेट आधारित वेतन भत्तों के चलते कारपोरेट क्षेत्र के करीब 42 फीसदी युवा तेजी से डिप्रेशन का शिकार होते जा रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी खेलने?कूदने के दिनों में जिस तरह से डिप्रेशन का शिकार हो रही है वह किसी भी देश की भावी पीढ़ी के लिए उचित नहीं माना जा सकता है। सबसे मजे की बात यह है कि ग्लेमर या मोज मस्ती की मानी जानी वाली नोकरियों में ही सर्वाधिक डिप्रेशन का शिकार होना पड़ रहा है। आज सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार मीडिया खासतौर से इलेक्ट्रेनिक मीडिया से जुड़े युवा, दूरसंचार, आईटी, केपीओ, बीपीओं और मार्केटिंग से जुड़े क्षेत्र के युवा हो रहे हैं। यह सब तो तब है जब आज की युवा पीढ़ी स्वास्थ्य और खान?पान के प्रति अधिक सजग होने लगी है। जिम जाना या भोजन में कोलेस्ट्रेल, प्रोटिन, कार्बोहाईड्रेट या अन्य तत्वों की अधिक जानकारी रखते हुए पर बाहरी खासतौर से फास्टफूड स्वास्थ्य का बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। डिप्रेशन के फैलाव का एक दूसरा पक्ष भी अब तेजी से सामने आने लगा है और वह है बुजुर्गों का डिप्रेशन का शिकार होना। दरअसल हमारी परंपरा के अनुसार उम्र के जिस पड़ाव में बुजुर्ग बच्चों, पोते?पोतियों, नाते?नातियों का सानिध्य पाने की ललक रखते हैं उस उम्र में उन्हें एकाकीपन से जूझना पड़ता है। इससे बुजुर्गों में नैराश्य बढ़ने लगा है और यही नैराश्य और एकाकीपन बुजुर्गों को भी डिप्रेशन यानी की अवसाद का शिकार बना रहा है। एक और परिवार छोटा होता जा रहा है। संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार लेने लगा है तो नौकरी के कारण बच्चों को मां?बाप से दूर रहना पड़ता है। भागमभाग में एक स्थिति ऐसी आने लगती है जब व्यक्ति अपनों का सानिध्य नहीं मिलने से डिप्रेशन का शिकार होने लगता है। शहरीकरण के दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

महावीर हैं अंधकारों को हरने वाले दीपक

दीपावली को ही भगवान महावीर का परिनिर्वाण दिवस है। परिनिर्वाण से पूर्व महावीर ने जो शिक्षाएं दी, वे जन-जन के लिये अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य एवं निराशा से आशा की ओर जाने का माध्यम बनी। इसलिये भी जैन धर्म के अनुयायियों के लिये दीपावली का महत्व है। महावीर लोकोत्तम पुरुष हैं, उनकी शिक्षाओं की उपादेयता सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदेशिक है, दुनिया के तमाम लोगों ने इनके जीवन एवं विचारों से प्रेरणा ली है। सत्य, अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह ऐसे सिद्धान्त हैं, जो हमेशा स्वीकार्य रहेंगे और विश्व मानवता को प्रेरणा देते रहेंगे। महावीर का संपूर्ण जीवन मानवता के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। महावीर ने दीपावली की रात जो उपदेश दिया उसे हम प्रकाश पर्व का श्रेष्ठ संदेश मान सकते हैं। क्योंकि यह सन्देश मानव मात्र के आंतरिक जगत को आलोकित करने वाला है। भगवान महावीर का मुक्ति दिवस हम जैसों के लिये जागने की दस्तक है। उन्होंने बाहरी लड़ाई को मूल्य नहीं दिया, बल्कि स्व कर सुरक्षा में आत्म-युद्ध को जरूरी बतलाया। उन्होंने जो कहा, सत्य को उपलब्ध कर कहा। उन्होंने सबके अस्तित्व को स्वीकृति दी। 'णो हीणे णो अइरित्ते'-उनकी नजर में न कोई ऊंचा था, न कोई नीचा। उनका अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बना। उन्होंने अपने होने का अहसास जगाकर अहं को खड़ा नहीं होने दिया। इसीलिये उनकी शिक्षाओं एवं उपदेशों का हमारे जीवन और विशेषकर व्यावहारिक जीवन में विशेष महत्व है। हम अपने जीवन को उनकी शिक्षाओं के अनुरूप ढाल सकें, यह अधिक आवश्यक है लेकिन इस विषय पर प्रायः सन्नाटा देखने को मिलता है। विशेषतः जैन समाज के लोग एवं अनुयायी ही महावीर को भूलते जा रहे हैं, उनकी शिष्याओं को ताक पर रख रहे हैं। दुःख तो इस बात का है कि जैन समाज के सर्वे-सर्वा लोग ही सबसे ज्यादा महावीर को अप्रासंगिक बना रहे हैं, महावीर ने जिन-जिन बुराइयां पर प्रहार किया, वे उन्हें ही अधिक अपना रहे हैं। हम महावीर को केवल पूजते हैं, जीवन में धारण नहीं करते हैं। हम केवल कर्मकाण्ड और पूजा विधि में ही लगे रहते हैं। महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- 'पुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता है।' औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है।

भगवान महावीर कितना सरल किन्तु सटीक कहा हैं- सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय। सभी जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। हम जैसा व्यवहार स्वयं के प्रति चाहते हैं, वैसा ही व्यवहार दूसरों के प्रति भी करें। यही मानवता है और मानवता का आधार भी। मानवता

विचार बिन्दु

धर्म का महत्वपूर्ण पड़ाव यह भी है कि हम सही को सही समझे और गलत को गलत। सम्यक्त्व दृष्टि का यह विकास मुक्ति का ही नहीं, सफल एवं सार्थक जीवन का हस्ताक्षर है। इस मायने में धर्म पवित्रता का नया आकाश, नया मार्ग, नया विचार, नए शिखर छूने की कामना, कल्पना और सपने हैं। भगवान महावीर का एक सुंदर सूक्त है–एगे सु संपन्ने एगे शीलंपन्ने। एक व्यक्ति श्रुतसंपन्न है, किन्तु शीलसंपन्न नहीं है, दूसरा शीलसंपन्न तो है, किन्तु श्रुतसंपन्न नहीं है। यह दोनों ही अपूर्णता की स्थिति है, अधूरेपन की स्थिति है।

ललित गर्ग

बचाने में है, मारने में नहीं। किसी भी मानव, पशु-पक्षी या प्राणी को मारना, काटना या प्रताड़ित करना स्पष्टतः अमानवीय है, क्रूरतापूर्ण है। हिंसा-हत्या और खून-खच्चर का मानवीय मूल्यों से कभी कोई सरोकार नहीं हो सकता। मूल्यों का सम्बन्ध तो 'जियो और जीने दो' जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है।

समय के आकाश पर आज कोरोना महामारी, युद्ध, शोषण, हिंसा जैसे अनगिनत प्रश्नों का कोलाहल है। जीवन क्यों जटिल से जटिलतर होता जा रहा है? इसका मूल कारण है कि महावीर ने जो उपदेश दिया हम उसे आचरण में नहीं उतार पाएं। इसी कारण मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था और विश्वास कमजोर पड़ा, धर्म की व्याख्या में हमने अपना मत, अपना स्वार्थ, अपनी सुविधा, अपना सिद्धान्त को जोड़ दिया। मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जिसके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो।

एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है, क्या सुख को स्थायी बनाया जा सकता है? क्या दुःख को समाप्त किया जा सकता है? इसका सीधा उत्तर होगा कि भौतिक जगत में ऐसा होना कभी संभव नहीं है। जब तक भौतिक जगत में जीएंगे तब तक यह स्वप्न लेना दिवास्वप्न है, कल्पना करना आकाश कुसुम जैसा है। आकाश में कभी फूल नहीं लगता। कमल के फूल लग सकता है, चंपक के फूल लग सकता है पर आकाश में कभी फूल नहीं लगता। यह असंभव बात है कि इंद्रिय जगत में आदमी जीए और वह सुख या दुःख एक का ही अनुभव करे, यह द्वंद्व बराबर चलता रहेगा। तब व्यक्ति के मन में एक जिज्ञासा पैदा होती है कि ऐसा कोई उपाय है जिससे सुख को स्थायी बनाया जा सके? इसका समाधान है स्वयं का स्वयं से साक्षात्कार। इसके लिये जरूरी है हर क्षण को जागरूकता से जीना। उसको जीने के लिये भगवान महावीर ने कहा था-'खणं जाणाहि पंडिए', जो क्षण को जानता है, वह सुख और दुःख के निमित्त को जानता है।

महावीर ने जीवनभर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवनशैली अपनानी होती है। व्यावहारिक जीवन में यह आवश्यक है कि हम अहंकार को मिटाकर शुद्ध हृदय से अहिंसा, क्षमा, प्रेम, सत्य, अनेकांत को अपनाकर अपना जीवन पवित्र करें।

महावीर का संपूर्ण जीवन तप और ध्यान की पराकाष्ठा है इसलिए वह स्वतः प्रेरणादायी है। भगवान के उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। भगवान महावीर चिन्मय दीपक हैं। दीपक अंधकार का हरण करता है किंतु अज्ञान रूपी अंधकार को हरने के लिए चिन्मय दीपक की उपादेयता निर्विवाद है। वस्तुतः भगवान के प्रवचन और उपदेश आलोक पुंज हैं। ज्ञान रश्मियों से आप्लावित होने के लिए उनमें निमज्जन होना जरूरी है। महावीर आदमी को उपदेश दृष्टि देते हैं कि धर्म का सही अर्थ समझो। धर्म तुम्हें सुख, शांति, समृद्धि, समाधि, आज, अभी दे या कालक्रम से दे, इसका मूल्य नहीं है। मूल्य है धर्म तुम्हें समता, पवित्रता, नैतिकता, अहिंसा की अनुभूति कराता है। इसलिये महावीर बनने की कसौटी है-देश और काल से निरपेक्ष तथा जाति और संप्रदाय की कारा से मुक्त चेतना का आविर्भाव। महावीर एक कालजयी और असांप्रदायिक महापुरुष थे, जिन्होंने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत को तीव्रता से जीया। वे इस महान त्रिपदी के न केवल प्रयोक्ता और प्रणेता बने बल्कि पर्याय बन गए। भगवान महावीर की अनुभूतियों से जनमा सच है-धम्मो शुद्धस्स चिट्टई। धर्म शुद्धात्मा में ठहरता है और शुद्धात्मा का दूसरा नाम है अपने स्वभाव में रमण। यह नितान्त वैयक्तिक विकास की क्रांति है। जीवन की सफलता-असफलता, सुख-दुख, हर्ष-विषाद का जिम्मेदार सिवाय खुद के और कोई नहीं है।

(15 नवंबर - बिरसा मुंडा जयंती): भगवान की तरह पूजता है आदिवासी समाज बिरसा मुंडा को

बिरसा मुंडा आदिवासी युवा नेता में नेतृत्व के गुण कूट-कूट के भरे हुए थे। वे एक महान देशभक्त थे। आदिवासी समाज उन्हें भगवान की तरह पूजता है। वे आदिवासी समाज में 'धरती बाबा' के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में आदिवासी समाज को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने आदिवासी समाज को रूढ़ीवादी परंपराओं से बाहर निकाल कर शिक्षित और संगठित किया। उन्होंने अंग्रेजों के काले कानूनों, जमीदारों-जागीरदारों के अत्याचारों का डटकर मुकाबला किया और आदिवासी समाज को राहत पहुंचाई। इसलिए आज भी बिहार उड़ीसा झारखंड छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखण्ड के खुटी जिले के उलीहतु गाँव में हुआ। बिरसा मुंडा के पिताजी का नाम सुगना मुंडा और माताजी का नाम करमी मुंडा था। बिरसा मुंडा को प्रारंभिक स्कूली शिक्षा जयपाल नाग ने सालगा गांव में दिलाई। उन्होंने बाद में जयपाल नाग की सलाह पर ईसाई धर्म अपना लिया और एक जर्मन मिशन स्कूल में अध्यापन कराने लगे। इस स्कूल में कुछ साल अध्यापन के बाद इसे छोड़ दिया। सन् 1894 में झारखंड के छोटा नागपुर में मानसून की कमी से भयंकर अकाल पड़ा। आदिवासी कुपोषण और भूख से लाचार हो गए। अधिकांश घरों में लोग बीमार हो गए। बीमारी ने महामारी का रूप ले लिया। ऐसे समय में बिरसा मुंडा अपने युवा साथियों की टीम बनाई और घर घर जाकर लोगों की सेवा की। इससे वे आदिवासी समाज में युवा नेता के रूप में प्रसिद्ध हुए। भारतीय जमींदारों और जागीरदारों तथा ब्रिटिश शासकों के शोषण की भट्टी में आदिवासी समाज झुलस रहा था। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को शोषण की नाटकीय यातना से मुक्ति दिलाने के लिए उन्हें संगठित करना आवश्यक समझा। इसके बाद उन्होंने आदिवासी समुदाय को संगठित करने की जबरदस्त मुहिम चलाई। उनके नेतृत्व में लगान माफी का जबरदस्त आंदोलन चलाया गया। उनके वर्चस्व एवं प्रभाव से आदिवासी समाज में संगठित होने की चेतना जागी। उन्होंने आदिवासियों को सामाजिक स्तर पर संगठित किया ताकि आदिवासी-समाज अंधविश्वासों और ढकोसलों के चंगुल से छूटकर पाखंड के पिंजरे से बाहर आने लगे। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उन्हें शिक्षित किया जिससे कि आदिवासी समाज को जमींदारों और जागीरदारों के आर्थिक शोषण से मुक्त किया जा सके। बिरसा मुंडा ने जब सामाजिक स्तर पर आदिवासी समाज में चेतना पैदा कर दी तो आर्थिक स्तर पर सारे आदिवासी शोषण के विरुद्ध स्वयं ही संगठित होने लगे। उनके नेतृत्व में आदिवासियों ने 'बेगारी प्रथा' के विरुद्ध जबर्दस्त आंदोलन किया। परिणामस्वरूप जमींदारों और जागीरदारों के घरों तथा खेतों और वन की भूमि पर कार्य रूक गया। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को राजनीतिक स्तर पर भी संगठित किया। चूंकि उन्होंने सामाजिक और आर्थिक स्तर पर आदिवासियों में चेतना की चिंगारी सुलगा दी थी, अतः राजनीतिक स्तर पर इसे आग बनने में देर नहीं लगी। आदिवासी अपने राजनीतिक अधिकारों के प्रति सजग हुए। बिरसा मुंडा सही मायने में पराक्रम और सामाजिक जागरण के धरातल पर तत्कालीन युग के एकलव्य और स्वामी विवेकानंद थे। ब्रिटिश हुकूमत ने इसे खतरे का संकेत समझकर बिरसा मुंडा को गिरफ्तार कर हजारीवाग केंद्रीय कारागृह में डाल दिया और उन्हें वहां अंग्रेजों ने धीमा जहर दिया जिससे वे 9 जून 1900 को शहीद हो गए। बिरसा मुंडा की गणना महान देशभक्तों में की जाती है।

पन्नालाल मेघवाल, वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

15 नवम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1830 समाज सुधारक राजा राम मोहन राय इंग्लैंड के लिए रवाना हुए।
1920 जिनेवा में लीग ऑफ नेशंस की पहली बैठक आयोजित की गई।
1936 नाजी जर्मनी और जापान के बीच कोमिंट्रन विरोधी संधि पर हस्ताक्षर किये गये।
1947 विश्व स्वास्थ्य संगठन संयुक्त राष्ट्र का विशिष्ट अभिकरण बन गया।
1949 महात्मा गांधी की हत्या के दोषी नाथूराम गोड से और नारायण दत्तात्रेय आप्टे को फाँसी दी गई।
1955 पोलैंड और यूगोस्लाविया के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।
1961 संयुक्त राष्ट्र ने परमाणु हथियारों पर रोक लगाई।
1988 पी.एल.ओ. के अध्यक्ष यासर अराफात द्वारा फ़िलिस्तीन स्वतंत्र राष्ट्र घोषित।
1989 पाकिस्तान के कराची में वकार यूनुस और सचिन तेंदुलकर ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया।
1998 अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपना एशियाई देशों भारत एवं पाकिस्तान का दौरा रद्द किया।
2000 फिजी में तख्ता पलट अवैध घोषित।
2001 अलकायदा के ठिकाने से परमाणु बम बनाने सम्बन्धी दस्तावेज मिले।

जीवन और भविष्य किस का चुनाव सही?

विचार बिन्दु

राखी सरोज

काश हमारे यहां भविष्य के सपने देखने वाले बच्चों की सुनी जाती। कोई उनकी तकलीफ और परेशानियों को समझाता।

जेईई-मेन की परीक्षा की शुरुआत हो चुकी है। किंतु उसके परिणाम आने से पहले ही कोरोनावायरस के वह मामले सामने आएंगे जिनको सरकार की ज़िद और अपने भविष्य की कीमत चुकानी पड़ी होगी। क्या जब हमारे देश के होशियार बच्चे बिमारी से गुजरेंगे तो हम उनको इलाज देंगे। खास तौर से उन गरीब घर के बच्चों को जिनके घर में खाने के लिए दो वक्त की रोटी भी मुश्किल से नसीब होती है। सरकार को आज छात्रों की सुन्नी चाहिए वह केवल छात्र नहीं है इस देश के नागरिक भी है। भारत में जब से कोरोनावायरस आया यहां के लोगों का जीवन पूरी तरह से बदल गया है। कोरोनावायरस ने हमें बता दिया है कि हमारी एक भी लापरवाही या देरी के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। स्वास्थ सुविधाओं को दुरुस्त करना और अधिक से अधिक सुरक्षा रखना ही आज हमारी जरूरत है। ऐसे में जब हम भविष्य को बचाने के लिए बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने के लिए सभी प्रवेश प्रकार परीक्षाओं का आयोजन, जिसे यूजीसी इस वक्त आयोजित करने जा रहा है। छात्रों का विरोध बेमतलब हो सकता है किन्तु उनका जीवन नहीं। लाखों करोड़ छात्रों की जान से होने वाला यह खिलवाड़ किस आधार पर। जब सौ की गिनती में हमारे यहां केस आ रहें थें, तब इन परीक्षाओं पर रोक लगाई गई और आज जब हजारों की संख्या में केस आ रहें हैं तब आप बच्चों को परीक्षा देने के लिए बुला रहें हैं। क्या यह बच्चों के आम व्यक्ति होने की सज़ा है। जिसकी सुनवाई ना अदालतों में ओर ना सरकारों में। आज लोकतंत्र बस एक कठपुतली बन गया है चंद लोगों के हाथों का, वह जैसे चाहते हैं उसके साथ खिलवाड़ करते हैं ऐसा लग रहा है। काश हमारे यहां भविष्य के सपने देखने वाले बच्चों की सुनी जाती। कोई उनकी तकलीफ और परेशानियों को समझाता। हमारे देश में सपने और सफलता अमीरों के बच्चों के लिए है। क्या एक रिक्शा चालक या एक सब्जी बैचने वाले जैसे आम लोगों के बच्चों को पढ़ लिख कर इंजीनियर और डॉक्टर बनने का अधिकार नहीं है। क्यों नहीं हमारी सरकार सामने आकर परेशानी में फंसे छात्रों को सेंटर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी लेती है। जिस तरह सरकार छात्रों के भविष्य की बात कर रही है उसी तरह वह छात्रों के जीवन के बारे में विचार क्यों नहीं करती है। भविष्य जरूरी है और जीवन की कोई कीमत नहीं है। हमें आवश्यकता अच्छे डॉक्टर-इंजीनियर की लेकिन केवल कुछ लोगों के लाभ को ध्यान में रख कर हम अपने देश के बच्चों के जीवन के साथ नहीं खेल सकतें हैं। लॉक डाउन में फंसे कभी प्रवासी मजदूरों को अपने घर पहुंचाने वाले सोनू निगम आज छात्रों की मदद के लिए भी आगे आएं हैं। क्या हमारी सरकार में बैठे नेता बस वोट ले कर सरकार बना कर कुर्सी में बैठने के लिए है और काम करने के लिए हमें सोनू निगम जैसे अभिनेताओं की ओर देखना चाहिए। आज के समय में सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने कै स्थान पर, आम जनता को गुमराह करती रहती है। शिक्षा की नीति ओर व्यवस्था पर हम बात कर रहे हैं आज। पहली बार पुरे देश को हिन्दू मुस्लिम से हट कर कोई जरूरी मुद्दा नज़र आ रहा है जिस पर हम अपनी सरकार को घेर रहें हैं। शिक्षा हम सभी के लिए जरूरी है लेकिन क्या हम इस आपातकाल की स्थिति में जेईई और नीट की परीक्षा जिसे तरह सरकार लेने के लिए परेशान हैं। उसका विरोध नहीं करेंगे तो क्या करेंगे। रोज बढ़ते कोरोनावायरस के केस जहां हम सभी की परेशानी बढ़ा रहें हैं। हाई कोर्ट ?खुद सरकार को अधिक समस्या वाले राज्यों में लॉक डाउन लगाने के लिए कह रही है ताकि संक्रमण को रोका जा सके। उसी समय में यदि लाखों की संख्या ?जमा कर परीक्षा का आयोजन करने की बात करें, तब सभी का सवाल करना जरूरी है कि सरकार के लिए साल महत्वपूर्ण ?ना की आम नागरिकों की सुरक्षा। जीवन बनाम भविष्य आज इस स्थिति में लाखों करोड़ों छात्रों को ला खड़ा कर दिया है परीक्षा की तिथि ने। हमारी सरकार को फिर से विचार करना चाहिए परीक्षा जरूरी है किंतु उस से भी अधिक महत्वपूर्ण है छात्रों का जीवन। विरोध सही हो या गलत बहस सालों की जा सकती है। किंतु यदि कोई छात्र और उसका परिवार संक्रमण की चपेट में आ गया परीक्षा सेंटर जाने के कारण तब हमरी सरकार और हम क्या करेंगे विचार करने का समय आज ही है। छात्र लाचार है किंतु वह हमारे देश का हिस्सा है उनका भी जीवन महत्वपूर्ण है हमें कोई हक़ नहीं है जब हम अपनी जान बचाने के लिए घरों में बैठे है। तब हम उन्हें भविष्य के लिए पेपर लिखने के लिए बाहर भेज दें।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इव संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेडू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

ओटीटी पर आ रही प्रतीक गांधी-दिव्येंदु की 'अग्नि'

मुंबई। 'हम अग्नि के उपासक हैं, बलिदानों से कब घबराते हैं। जान छिड़ककर अपनी, हर आग बुझाते हैं। भुला दो हमें पर याद रखना... ज्वाला में जो जीते हैं, वो अमर हो जाते हैं।' प्रतीक गांधी, दिव्येंदु और सैयामी खेर की एक्शन- थ्रिलर अग्नि के टीजर की शुरुआत इसी डायलॉग से होती है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुके राहुल ढोलकिया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का टीजर गुरुवार को रिलीज किया गया है। 'अग्नि' का प्रीमियर साल के अंत में 6 दिसंबर को भारत और दुनियाभर के 240 से अधिक देशों में Amazon Prime Video पर किया जाएगा।

लाइफ Style

रश्मिका

आज तक नहीं मिला सच्चा प्यार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

रश्मिका मंदाना साउथ की सबसे सफल एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने एक के बाद एक कई हिट और सुपरहिट फिल्में दी हैं। 28 साल की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने फिल्मों की दुनिया में खूब नाम कमाया, लेकिन निजी जिंदगी में उन्हें आज भी सच्चे प्यार की तलाश है।

रश्मिका ने साल 2014 में मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने कॉलेज में 'टाइम्स फ्रेश फेस' का खिताब जीता था। इसके बाद रश्मिका को मॉडलिंग के ऑफर आने लगे थे।मॉडलिंग से ही एक्ट्रेस ने ग्लैमर की दुनिया में कदम रखा था। रश्मिका मंदाना ने साल 2016 में आई फिल्म 'क्रिक पार्टी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में साउथ के मशहूर एक्टर रक्षित शेट्टी रश्मिका के हीरो थे। पहली ही फिल्म के सेट पर एक्ट्रेस अपने हीरो को दिल दे बैठी थीं। रश्मिका और रक्षित ने प्यार में पड़ते ही शादी का फैसला कर लिया था और बहुत जल्द ही दोनों ने अपने रिश्ते को जग-जाहिर कर दिया था। रश्मिका मंदाना ने 14 साल बड़े रक्षित शेट्टी से सगाई कर ली थी, लेकिन उनका ये रिश्ता शादी तक पहुंचने से पहले ही टूट गया। कपल ने साल 2017 में सगाई कर ली थी, लेकिन एक साल के अंदर ही उनके रिश्ते में दरार आ गई और वो अलग हो गए। रक्षित शेट्टी संग सगाई टूटने के बाद से एक्ट्रेस को प्यार की तलाश जारी है, लेकिन आज भी वो सिंगल है। अगर मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रश्मिका मंदाना का नाम एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ जुड़ा था।

हॉलीवुड मसाला

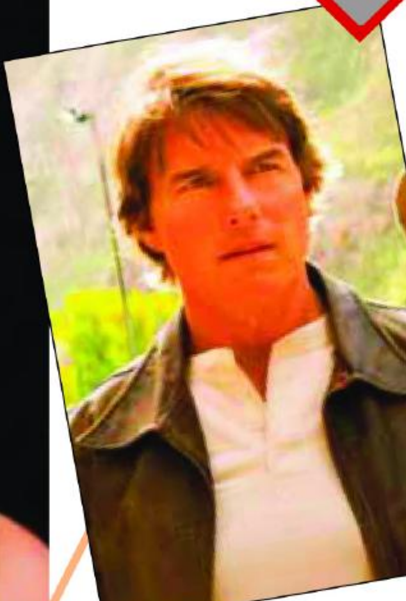

'मिशन इम्पॉसिबल-8' का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज की आइकॉनिक फ्रेंचाइजी 'मिशन इम्पॉसिबल' की 8वीं फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। हालांकि, अब प्रशंसकों का यह इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि फिल्म का ट्रेलर अब सामने आ चुका है। इसके साथ ही फिल्म का नया टाइटल मिशनः इम्पॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग है। यही नहीं, इसके साथ ही फिल्म को लेकर अब फिर फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर है। 'मिशन इम्पॉसिबलः द फाइनल रेकनिंग' 23 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हॉलीवुड क्रिसमस परेड के ग्रैंड मार्शल बनेंगे जेरेमी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टार जेरेमी रेनर को मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में हॉकआई की भूमिका से दुनियाभर में खूब लोकप्रियता हासिल हुई। इस किरदार के बाद उन्हें भारत में भी खास पहचान मिली। अब हाल ही में अभिनेता को इस साल के क्रिसमस परेड का ग्रैंड मार्शल नियुक्त किया गया है। जेरेमी रेनर अगले महीने 92वें हॉलीवुड क्रिसमस परेड के ग्रैंड मार्शल के रूप में उत्सव की सारी बागडोर संभालेंगे। 1 दिसंबर की शाम को शुरू होने वाले क्रिसमस परेड की अध्यक्षता करेंगे। यह परेड साल 1928 में शुरू हुई थी और यह वहां की पुरानी परंपरा है। इस उत्सव को छुट्टियों के मौसम के रूप में भी देखा जाता है। यह उत्सव लोगों से चैरिटी इकट्ठा करने और उसे दान करने का काम भी करता है। क्रिसमस परेड के ग्रैंड मार्शल बनने को लेकर रेनर काफी खुश हैं।

कियारा आडवाणी लुक को लेकर हुईं ट्रोल...

नई दिल्ली। रिलायंस की टीरा ने बुधवार को नया लग्जरी ब्यूटी स्टोर लॉन्च किया। इस मौके पर बॉलीवुड की तमाम हस्तियां इवेंट में हिस्सा लेने पहुंचीं। इवेंट में करीना कपूर खान, कियारा आडवाणी और शाहरुख खान की बेटी सुहाना जैसे सिलेब्स पहुंचे। इवेंट से कियारा का एक सामने आया है। वीडियो देखकर कियारा के फैंस जहां उसकी तारीफ कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग कियारा पर आरोप लगा रहे हैं कि कियारा दीपिका पादुकोण की कॉपी करती हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा कि कियारा दीपिका बनने की कोशिश क्यों कर रही हैं। वीडियो में कियारा लाल रंग की जैकेट के साथ शॉर्ट पैंट्स पहने नजर आ रही हैं। कियारा ने बाल पोनीटेल में बंधे नजर आए। वहीं, इस लुक को कियारा ने लाल रंग की हाई हील बेली के साथ पूरा किया।

'दिल का दरवाजा...' का पोस्टर जारी

मुंबई। बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन, एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी और वामिका गब्बी की नई फिल्म दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग का शूट शुरू हो चुका है। फिल्म के सेट से एक तस्वीर भी सामने आई है। तस्वीर में सिद्धांत, वामिका और जया बच्चन तीनों नजर आ रहे हैं। जो तस्वीर सामने आई है उसमें सभी लोग काफी खुश और हंसते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को देख फैंस फिल्म के लिए उत्साहित हैं। वहीं, कुछ यूजर्स जया बच्चन की तस्वीर को देखकर हैरान हो रहे हैं। वो कह रहे हैं कि विश्वास नहीं होता कि जया बच्चन हंस रही हैं। गुरुवार को फिल्म मेकर्स ने फिल्म का आधिकारिक पोस्टर शेयर किया है। इस तस्वीर में जया बच्चन को हाथ में माइक लेकर हंसते देखा जा रहा है। पोस्टर को देखकर लग रहा है जैसे सारे आर्टिस्ट एक रॉक बैंड का हिस्सा हैं।

टीवी मसाला

'पति पत्नी और बेबी' का प्रीमियर 18 को

मुंबई। छवि मित्तल, करण वीर ग्रोवर, प्राचीन चौहान, पूजा गौर और शुभांगी लिटोरिया अभिनीत 'पति पत्नी और बेबी'का प्रीमियर 18 नवंबर को होगा और यह हर दिन 12.30 बजे केवल 'कलर्स' पर प्रसारित होगा। घर वह जगह है जहां आपका मन बसता है! जबकि यह साल खत्म होने वाला है, इसलिए अपने प्रियजनों के साथ बैठकर पारिवारिक ज़िंदगी की अनोखी मस्ती का आनंद लेने का इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता। 2024 के फिनाले को और भी खास बनाते हुए, कलर्स 'पति पत्नी और बेबी'नाम से सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेंडिंग की पसंदीदा यूट्यूब सीरीज़ पेश कर रहा है। यह सहयोग यूट्यूब की लोकप्रिय सीरीज़ की हंसी, प्यार और छोटी-मोटी तकरार को टेलीविजन पर लेकर आया है, जिसका उद्देश्य देश भर के परिवारों को उनके लिविंग रूम में ह्यूमर का नवीन डोज़ पेश करना है। दैनिक जीवन की स्थितियों को लेकर शादी और परिवार से जुड़े दिलचस्प किस्सों से भरपूर, इस मज़ेदार स्लाइस-ऑफ़-लाइफ़ शो में कई बेहतरीन कलाकार हैं। छवि मित्तल तुनकमिजाज़ी रोहिणी हैं, करण वीर ग्रोवर उनके प्यारे पति ऋषि की भूमिका में हैं, प्राचीन चौहान एक आदर्श पति अभिमन्यु की भूमिका में हैं, और पूजा गौर अभिमन्यु की समझदार पत्नी मीरा की भूमिका में हैं, साथ ही एक उपद्रवी घरेलू सहायिका, बेबी का किरदार शुभांगी लिटोरिया ने निभाया है।

बोरिया बिस्तर बांधने को तैयार 'रब्ब से है दुआ'

नई दिल्ली। धीरज धूपर और येशा रूघानी स्टारर 'रब्ब से है दुआ' इस महीने ऑफ एयर होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। शो में 22 साल के लीप की शुरुआत के बाद येशा और धीरज ने अदिति शर्मा और करणवीर शर्मा की जगह ली थी। टीवी शो 'रब्ब से है दुआ' नवंबर 2022 में शुरू हुआ और सुपरहिट हुआ। अब यह दो साल के सफर के बाद दर्शकों को अलविदा कहने के लिए तैयार है। शो की कास्ट ने शूटिंग खत्म करनी शुरू कर दी है।

अंतिम एपिसोड दिसंबर के पहले सप्ताह में प्रसारित होने की उम्मीद है। इस पारिवारिक ड्रामा में धीरज धूपर, येशा रुघानी और सीरत कपूर हैं, जिन्होंने इस साल फरवरी में करणवीर शर्मा, अदिति शर्मा और ऋचा राठौर से नए लीड के रूप में किरदार संभाला था। धीरज धूपर और येशा रूघानी, जिन्हें जी टीवी के रब्ब से है दुआ के चेहरे के रूप में चुना गया था, वह अब एक पीढ़ी की छलांग के बाद शो अपने उत्साही दर्शकों को अलविदा कहने के लिए तैयार हैं, क्योंकि शो को कुछ ही समय में चैनल द्वारा बंद कर दिया जाएगा।

73 की उम्र में भी एक्टिंग में नहीं कोई तोड़...

नई दिल्ली। बॉलीवुड में सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान जैसे स्टार आज भी राज कर रहे हैं। इन सभी की उम्र 60 के आसपास पहुंच चुकी है। ये आंकड़ा सुनकर लगता है कि वह इस उम्र में भी ये कितने एक्टिव हैं। जबकि हकीकत ये है कि ये सितारे साउथ के एक सुपरहिट सितारे से काफी पीछे हैं। एक ही साल में बैक टू बैक हिट देने के मामले में भी और उम्र के मामले में भी। हम साउथ के एक ऐसे सितारे की बात कर रहे हैं जिसकी उम्र अब 70 से भी ज्यादा पार हो चुकी है। हम जिस हीरो की बात कर रहे हैं वो हैं मामूट्टी, जो मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार रहे हैं। देश से लेकर दुनिया तक में फेमस हैं। इस साल मामूट्टी की तीन फिल्में रिलीज हुई। पहली फिल्म अब्रहाम ओजलर ये फिल्म 15 करोड़ में बनी और 40 करोड़ रुपए कमाने में कामयाब रही। मामूट्टी की दूसरी फिल्म इस साल रिलीज हुई टर्बो। 40 करोड़ में बनी इस मूवी ने 72.1 करोड़ रुपए का कारोबार किया। ये जोस नाम के एक ड्राइवर की कहानी है जो किसी मुश्किल में फंस जाता है।

मासूमियत से कभी हंसाया तो कभी रुलाया, समाज को सच का आईना दिखाती हैं बच्चों पर बनीं ये फिल्में

नई दिल्ली। रंग-बिरंगी और बोल्ड फिल्मों के बीच बच्चों व स्टूडेंट के लिए भी कहानियां बुनी गईं। इन फिल्मों ने बच्चों का मनोरंजन किया तो दूसरी ओर सभी को गंभीर संदेश भी दिया। बॉलीवुड इंडस्ट्री ने एक लंबा सफर तय कर लिया है। इस दौरान बॉलीवुड ने कई सुपरस्टार दिए हैं और तरह-तरह की फिल्में। यहां हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। रंग-बिरंगी और बोल्ड फिल्मों के बीच बच्चों व स्टूडेंट के लिए भी कहानियां बुनी गईं। इन फिल्मों ने बच्चों का मनोरंजन किया तो दूसरी ओर सभी को गंभीर संदेश भी दिया। आज हम ऐसी ही कुछ मूवीज का जिक्र करेंगे।

तारे जमीन पर

इस फिल्म के लिए आमिर खान के हौसले की प्रशंसा की जानी चाहिए कि उन्होंने अपने निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'तारे जमीन पर'एक बच्चे को केन्द्र में रखकर बनाई और बिना बॉक्स ऑफिस की चिंता किए पर्दे पर उतारा। इस फिल्म के जरिए उन्होंने बच्चों के भीतर झांकने की कोशिश की। फिल्म आठ साल के ईशान दर्शील सफारी की कहानी बताती है, जो मानसिक रूप से अपने परिवार के लिए पीड़ित होता है। बच्चे की पहचान शिक्षक रामशंकर निकुंभ करते हैं। फ्लिम को लोगों ने काफी पसंद किया था।

चिल्लर पार्टी

चिल्लर पार्टी एक बच्चों के गैंग की कहानी है जो बहुत मासूम हैं। उन्हें कोई चिंता नहीं है और मस्त जिंदगी जीते हैं। चंदन नगर कॉलोनी में ये सब रहते हैं। जल्दी ही इनका गैंग में फटका और भीड़ भी शामिल हो जाते हैं और इनकी दोस्ती अधिक मजबूत हो जाती है। बच्चों की टीम में तब समस्या उत्पन्न हो जाती है, जब भीड़ की जिंदगी एक नेता की वजह से खतरे में आ जाती है। ये घबराते नहीं हैं और मिलकर लड़ने का फैसला करते हैं। फिल्म ये साबित करती है कि छोटे बच्चे चाहें तो किसी को भी धूल चटा सकते हैं।

स्टेनली का डब्बा

इस फिल्म में फोकस चौथी क्लास के बच्चों पर है। कक्षा में स्टेनली बहुत ही बुद्धिमान और मेहनती है और पूरे क्लास के बच्चों का चहीता भी। स्टेनली किसी वजह से अपना टिफिन नहीं ला पाता। उधर हिंदी के टीचर वर्माजी बच्चों के खाने पर नीयत लगाए रहते हैं। बच्चे अपने टिफिन से स्टेनली को तो खिलाना चाहते हैं, पर वर्मा सर को नहीं। पूरी फिल्म का सार यही है कि शिक्षक ने दूसरे के टिफिन में से खाने पर बच्चे को डांट लगाकर भगाया और अब खुद वही कर रहे हैं।

फरारी की सवारी

इस फिल्म को खेल के दृष्टिकोण से बनाया गया है। रूसी के बेटे कायो का सपना है कि वह एक दिन बड़ा क्रिकेट खिलाड़ी बनेगा। आरटीओ में क्लर्क होने के बावजूद रूसी के पास पैसे की तंगी हमेशा बनी रहती है। क्योंकि, वह ईमानदार रहता है। पैसे की तंगी के बीच जूझकर हताशा में वह कहता है कि हम जैसे लोगों को तो सपने नहीं देखने चाहिए।

आज के समय में भी सबसे लोकप्रिय सुपरहीरो में से एक है 'सुपरमैन'

स्पाइडरमैन से एवेंजर्स तक, भारतीय बच्चे भी हैं हॉलीवुड सुपरहीरोज के दीवाने

मुंबई। सुपरहीरो वाली फिल्मों का चयन काफी पुराना है। हॉलीवुड ने दर्शकों को एक से बढ़कर एक सुपरहीरो वाली फिल्में दी हैं। लोग इन किरदारों को कितना पसंद करते हैं इसका अंदाजा तो दुनिया भर में फैले इसके दर्शकों की संख्या से ही लगाया जा सकता है। हॉलीवुड के सुपरहीरोज की संख्या लगभग अंतहीन है, लेकिन कुछ लोकप्रिय सुपरहीरो ऐसे हैं, जिन्हें भारत में भी काफी पसंद किया गया है। न सिर्फ बड़े, बल्कि बच्चे भी इन किरदारों को बेहद प्यार करते हैं और इनकी फिल्मों का भरपूर लुत्फ उठाते हैं।

बैटमैन : डीसी कॉमिक्स के लिए बॉब केन और बिल फिंगर द्वारा बनाया गया 'बैटमैन'पहली बार साल 1939 की डिटेक्टिव कॉमिक्स हैशटैग 27 में दिखाई दिया था। 'बैटमैन' टीवी सीरीज, जिसमें वेस्ट और बर्ट वार्ड ने रॉबिन की भूमिका निभाई थी, जनवरी 1966 में एबीसी पर शुरू हुई थी। 'बैटमैन' अपने पहले अवतार के 70 वर्षों बाद भी सबसे लोकप्रिय सुपरहीरो में से एक है।

सुपरमैन : सबसे लोकप्रिय सुपरहीरो में से एक आज भी 'सुपरमैन' है। 'बैटमैन' की लोकप्रियता को अगर कोई चुनौती दे सकता है तो वह सुपरमैन ही होगा। साल 2016 में बनी 'बैटमैन बनाम सुपरमैन' फिल्म में दोनों की भिड़ंत देखने को मिली। क्रिस्टोफर रीव्स का 1970 के दशक का अवतार सुपरमैन का ही संस्करण है जिसे ज्यादातर लोग आज भी संदर्भित करते हैं। 'सुपरमैन' आज के समय में भी सबसे लोकप्रिय सुपरहीरो में से एक है।

स्पाइडर-मैन : जहां तक मार्वल सुपरहीरो की बात है 'स्पाइडर-मैन' से ज्यादा लोकप्रिय कोई नहीं है। वह पहली बार 1969 में सामने आए और आसानी से कॉमिक बुक हीरो से टीवी स्टार तक की छलांग लगाई और अब मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। अकेले 2002 के बाद से 8 स्पाइडर-मैन फिल्में आई हैं, जिन्हें भारतीय बच्चों ने बेशुमार प्यार दिया है।

आयरन मैन : इस सूची में अगला नाम 'आयरन मैन' का है। इस किरदार की बात करें तो कॉमिक बुक में यह ज्यादा लोकप्रिय नहीं था, लेकिन रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने इस किरदार में ढलकर लोगों को इसका दीवाना बना दिया। बच्चे 'आयरन मैन' को काफी पसंद करते हैं। आयरन मैन का निर्माण मार्वल स्टूडियोज द्वारा किया गया था और पैरामाउंट पिक्चर्स द्वारा वितरित किया गया था। यह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की पहली फिल्म थी।

हल्क : हर किसी के अंदर एक राक्षस छिपा होता है जो गुस्सा आने पर बाहर आ जाता है और 'हल्क' इसका बखूबी प्रतिनिधित्व करता है। यह किरदार पहली बार साल 1962 में कॉमिक बुक में जीवंत हुआ और वर्षों से टीवी और फिल्म दोनों पर अनगिनत अभिनेताओं द्वारा उनकी भूमिका निभाई गई है।

थोर : अगला नाम 'थोर' का है। मार्वल ने अपने सुपरहीरो यूनिवर्स में सभी भूमिकाओं के लिए बिल्कुल सही अभिनेताओं को चुना है और इस किरदार को निभाने के लिए क्रिस हेम्सवर्थ के अलावा किसी अन्य अभिनेता की कल्पना करना कठिन है।

कैप्टन अमेरिका : जैसे ही अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में प्रवेश करने की घोषणा की, मार्वल ने कुछ ऐसा बनाया जो आगे चलकर उनके सबसे प्रतिष्ठित किरदारों में से एक बन गया। 'कैप्टन अमेरिका' एक सुपरसैनिक था जिसने युद्ध के दौरान नाजियों और उनके समर्थकों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। इस किरदार को भारत में काफी पसंद किया गया।

खबर संक्षेप

मुथूट फाइनेंस के लाभ में 26 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मुथूट फाइनेंस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में लगभग 26 प्रतिशत बढ़कर 1,251.1 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 991 करोड़ रुपये रहा था। मुथूट फाइनेंस ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल परिचालन आय बढ़कर 4,117.4 करोड़ रही।

फिनोल उत्पादन बढ़ाने हल्दिया पेट्रो का करार

कोलकाता। पूर्णेंदु चटर्जी के स्वामित्व वाले चटर्जी समूह का हिस्सा हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एचपीएल) ने फिनोल उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के लिए लुमस टेक्नोलॉजी के साथ 'लाइसेंस संशोधन' पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने समझौते के तहत फिनोल उत्पादन क्षमता 300 किलोटन प्रति वर्ष (केटीपीए) से बढ़कर 345 केटीपीए हो जाएगी।

होनासा कंज्यूमर को 18.57 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। होनासा कंज्यूमर लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 18.57 करोड़ रुपये का एकीकृत घाटा हुआ है। होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के पास 'मामाअर्थ' और 'द डर्मा' कंपनी जैसे ब्रांड का स्वामित्व है। होनासा कंज्यूमर लिमिटेड ने बताया कि कंपनी को गत वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 29.43 करोड़ का शुद्ध मुनाफा हुआ था।

वीनस पाइप्स का लाभ बढ़कर 17 प्रतिशत

नई दिल्ली। वीनस पाइप्स एंड ट्यूब्स का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 23.7 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बयान में कहा, स्टेनलेस स्टील पाइप तथा ट्यूब निर्माता व निर्यातक ने एक साल पहले की अवधि में 20.25 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया था।

पीएचएफ लीजिंग का नाम बदलकर हुआ क्रेडिफिन

PHF LEASING Building Bharat

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पीएचएफ लीजिंग ने अपना नाम बदलकर क्रेडिफिन लिमिटेड कर लिया है। समूचे भारत में अपने बढ़ते ग्राहक आधार को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए उसने अपना कॉरपोरेट मुख्यालय भी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया है। नया नाम 'क्रेडिफिन' ऋण पेशकशों की व्यापक श्रेणी को दर्शाता है और देशभर में प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित सुलभ वित्तीय समाधान प्रदान करने के कंपनी के अभियान के अनुरूप है।

उबर ने चालकों के लिए पेश की नई सेवाएं

नई दिल्ली। ऐप आधारित टैक्सी सेवा प्रदान करने वाली कंपनी उबर ने एसओएस एकीकरण, हेलमेट सेल्फी और महिला चालकों के लिए महिला सवारी को प्राथमिकता देने जैसी नई सेवाओं (फीचर) की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इनका मकसद अपने मंच पर 10 लाख से अधिक चालकों या ड्राइवर भागीदारों के अनुभव को '' सुरक्षित, आसान और निष्पक्ष'' बनाना है।

ट्रंप की जीत के बाद सोने की चमक फीकी, चार दिन में 4 फीसदी टूटा

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

इस साल ज्यादातर समय सोने की कीमतों में तेजी रही। हालांकि, अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद पीली धातु का आकर्षण कम हो रहा है और इसकी कीमतों में गिरावट आ रही है।

चुनाव के दिन से लेकर अब तक चार दिन में सोने की कीमत में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, जबकि व्यापक अमेरिकी शेयर बाजार में लगभग चार प्रतिशत की तेजी आई थी। ऐसा तब है जब निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि व्हाइट हाउस कर दरों को कम करेगा और शुल्क बढ़ाएगा। ऐसा संयोजन अमेरिकी सरकार के कर्ज और मुद्रास्फीति को बढ़ा सकता है। ये दोनों ही चीजें सोने की कीमत में मदद कर सकती हैं। सोमवार देर रात तक सोने की कीमत 2,618 डॉलर प्रति औंस पर थी, जो पिछले महीने के आखिर में लगभग 2,800 डॉलर के रिकॉर्ड से कम है।

इसका मतलब यह भी है कि सोने ने साल के सबसे अच्छे प्रदर्शन वाले निवेश के रूप में अपनी चमक खो दी है। सोने की कीमत पर नजर रखने वाले सबसे बड़े एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड ने वर्ष 2024 के लिए अपने लाभ को कुछ सप्ताह पहले के लगभग 35 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत से नीचे आते देखा है। क्या हो रहा है? गिरावट का एक हिस्सा अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के साथ मेल खाता है।

सोने के बदले अमेरिकी शेयर बाजार में चार फीसदी की तेजी आई

ब्याज कम होने पर सोने को पहुंचेगा नुकसान

कम करों और उच्च शुल्क के लिए ट्रंप की प्राथमिकता भी वॉल स्ट्रीट को इस बात की उम्मीदों को कम करने के लिए मजबूर कर रही है कि फेडरल रिजर्व अगले साल ब्याज दरों में कितनी कटौती करेगा। कम दर कटौती का मतलब होगा कि सरकारी बॉन्ड पहले की अपेक्षा अधिक ब्याज देगा, और यह बदले में सोने की कीमत को नुकसान पहुंचा सकता है।

सोना सुरक्षित निवेश का विकल्प बना रहेगा

पश्चिम एशिया, यूक्रेन और अन्य जगहों पर युद्ध अब भी जारी है, जबकि राजनीतिक तनाव भी पहले की तरह ही उच्चस्तर पर है, ऐसे में सोना संभवतः कई निवेशकों के पोर्टफोलियो में बना रहेगा। बड़े संस्थागत निवेशकों के लिए निवेश को संभालने वाली कंपनी रोबेको के कोष प्रबंधकों के अनुसार, ''सोना निवेशकों और केंद्रीय बैंकों दोनों के लिए पसंदीदा सुरक्षित निवेश विकल्प बना हुआ है।''

वस्तुओं का निर्यात बढ़कर 39.2 अरब डॉलर, एक साल पहले इसी माह निर्यात 33.43 अरब डॉलर रहा

देश का निर्यात अक्टूबर में 17.25% बढ़ा, दो साल का सबसे बड़ा उछाल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश का वस्तु निर्यात अक्टूबर में 17.25 प्रतिशत बढ़कर 39.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो यह दो साल में निर्यात के आंकड़े में सबसे बड़ा उछाल है। एक साल पहले इसी महीने में निर्यात 33.43 अरब डॉलर रहा था। आलोच्य महीने में व्यापार घाटा 27.14 अरब डॉलर रहा। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में देश का आयात भी 3.9 प्रतिशत बढ़कर 66.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी माह में 63.86 अरब डॉलर था। व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात के बीच अंतर आलोच्य महीने में 27.14 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल इसी महीने में 30.42 अरब डॉलर के मुकाबले कम है। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान देश का निर्यात 3.18 प्रतिशत बढ़कर 252.28 अरब डॉलर और आयात 5.77 प्रतिशत बढ़कर 416.93 अरब डॉलर रहा है।

आलोच्य महीने में व्यापार घाटा 27.14 अरब डॉलर पहुंचा

सरकार ब्रांड इंडिया को दे रही बढ़ावा

वाणिज्य मंत्रालय ने बाजार पहुंच पहल, ब्रांड इंडिया को बढ़ावा देने, गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने और व्यापार संवर्धन कार्यक्रम आयोजित करने के माध्यम से इन देशों में पैठ बढ़ाने को कदम उठाया है। बर्थवाल ने यह भी कहा कि वे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में भारतीय दूतावासों के साथ बैठकें कर रहे हैं।

छह क्षेत्र दे रहे सकारात्मक परिणाम

बर्नवाल ने कहा कि छह क्षेत्रों... इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधि, रसायन, प्लास्टिक और कृषि... के साथ-साथ 20 देशों पर ध्यान केंद्रित करने की सरकार की रणनीति सकारात्मक परिणाम दे रही है। इन 20 देशों की कुल वैश्विक आयात में हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है और इन छह खंडों की वैश्विक आयात में हिस्सेदारी 67 प्रतिशत है।

क्रिसमस के कारण मांग बेहतर

वाणिज्य सचिव ने कहा, ''हम इन इन देशों में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रणनीति बना रहे हैं और मुझे भरोसा है कि इस रणनीति से हमें इस साल के अंत तक बेहतर परिणाम मिलेगा।'' अक्टूबर में निर्यात में दहाई अंक की वृद्धि दर्ज करने का एक कारण क्रिसमस मांग का बेहतर होना हो सकता है।

सोने व चांदी का आयात हुआ कम

समीक्षाधीन महीने के दौरान सोने और चांदी का आयात थोड़ा कम होकर क्रमशः 7.13 अरब डॉलर और 0.33 अरब डॉलर रहा। अक्टूबर, 2023 में यह क्रमशः 7.23 अरब डॉलर और 1.31 अरब डॉलर था।

कच्चे तेल के आयात में वृद्धि

प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ बैठकें पहले ही हो चुकी हैं। अमेरिका और एशिया-प्रशांत देशों, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी इसी तरह की बैठकों की योजना बनाई गई है। अक्टूबर में कच्चे तेल का आयात बढ़कर 18.2 अरब डॉलर रहा। पिछले साल के इसी महीने में यह 16.1 अरब डॉलर था।

सोना 700 रुपए टूटा और चांदी 2,310 रुपए लुढ़की

सोना घटकर 77,050 रुपए प्रति दस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में कमजोर मांग के बीच बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमतों में एक बार फिर भारी गिरावट आई और यह 700 रुपये घटकर 77,050 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले सत्र में 77,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी भी 2,310 रुपये लुढ़ककर 90,190 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि इसका पिछला बंद भाव 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम था।

सोने में लगातार चौथे सत्र में गिरावट का सिलसिला जारी रहा और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 700 रुपये घटकर 76,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।

बुधवार को यह 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''जबकि मुद्रास्फीति अपने दो प्रतिशत लक्ष्य के करीब पहुंच गई है, ऐसे में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती जारी रखने की संभावना है। हालांकि, सीपीआई आंकड़ों से चिंता हुई है कि आगे की ब्याज दर कटौती रोकी जा सकती है।''

डॉलर के बढ़ने से सोने पर बना दबाव

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''चुनाव के बाद डॉलर में तेजी जारी रही और यह नए साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिससे सोने की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।'' चांदी भी 2.57 प्रतिशत गिरकर 29.88 डॉलर प्रति औंस पर आ गयी।

चार महीने के उच्चस्तर पर थोक मुद्रास्फीति

सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से बढ़ी महंगाई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर चार महीने के उच्चस्तर 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गयी। खाद्य वस्तुओं खासकर, सब्जियों तथा विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से थोक मुद्रास्फीति बढ़ी है।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर, 2024 में 1.84 प्रतिशत के स्तर पर थी। अक्टूबर, 2023 में यह शून्य से 0.26 प्रतिशत नीचे थी। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 13.54 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर में यह 11.53 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति 63.04 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 48.73 प्रतिशत थी। आलू तथा प्याज की मुद्रास्फीति अक्टूबर में क्रमशः 78.73 प्रतिशत और 39.25 प्रतिशत के उच्चस्तर पर रही। ईंधन और बिजली श्रेणी की मुद्रास्फीति अक्टूबर में 5.79 प्रतिशत रही जो सितंबर में 4.05 प्रतिशत थी। विनिर्मित वस्तुओं में अक्टूबर में मुद्रास्फीति 1.50 प्रतिशत रही, जबकि पिछले महीने यह एक प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में अक्टूबर में लगातार दूसरे महीने वृद्धि देखी गई।

विनिर्माण व मशीनरी की कीमतें बढ़ी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा, ''अक्टूबर, 2024 में मुद्रास्फीति बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, अन्य विनिर्माण, मशीनरी तथा उपकरणों के विनिर्माण, मोटर वाहन, ट्रेलर आदि के विनिर्माण की कीमतों में बढ़ोतरी रही।''

रिलायंस, डिज्नी की मीडिया संपत्तियों का विलय हुआ पूरा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी मीडिया परिसंपत्तियों का वैश्विक मीडिया हाउस वॉल्ट डिज्नी के भारतीय कारोबार के साथ विलय पूरा कर लिया है। इससे 70,352 करोड़ रुपये का नया संयुक्त उद्यम अस्तित्व में आएगा।

एक संयुक्त बयान के अनुसार, इस संयुक्त उद्यम में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी वृद्धि के लिए 11,500 करोड़ रुपये (1.4 अरब डॉलर) का निवेश किया है। इसकी चेयरपर्सन नीता अंबानी होंगी। बयान के अनुसार, इस लेन-देन में संयुक्त उद्यम मूल्य बाहरी निवेश जोड़ने के बाद 70,352 करोड़ रुपये (8.5 अरब डॉलर) आंका गया है। सौ दा पूरा होने के साथ संयुक्त उद्यम का नियंत्रण रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास रहेगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास संयुक्त उद्यम में 16.34 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि इसकी अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी वायकॉम 18 के पास 46.82 प्रतिशत और डिज्नी के पास शेष 36.84 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें कहा गया, "नीता एम. अंबानी संयुक्त उद्यम की चेयरपर्सन होंगी, जबकि उदय शंकर संयुक्त उद्यम को रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए वाइस चेयरमैन होंगे। वायकॉम 18 मीडिया और वॉल्ट डिज्नी कंपनी को वायकॉम 18 के मीडिया और जियोसिनेमा कारोबार के स्टार इंडिया में विलय के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण जैसे प्राधिकरण से आवश्यक मंजूरियां पहले ही मिल चुकी हैं।

बना 70,352 करोड़ रुपए का संयुक्त उद्यम

100 से ज्यादा टीवी चैनल

यह संयुक्त उद्यम भारत की सबसे बड़ी मीडिया और मनोरंजन कंपनियों में से एक होगा, जिसका मार्च, 2024 में समाप्त पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के लिए संयुक्त राजस्व लगभग 26,000 करोड़ रुपये (3.1 अरब डॉलर) था। संयुक्त उद्यम के तहत 100 से ज़्यादा टीवी चैनल हैं और यह सालाना 30,000 घंटे से ज़्यादा के टीवी मनोरंजन सामग्री तैयार करता है।

एफआईआई की बिकवाली से सेंसेक्स 111 अंक टूटा

एजेंसी ⏭ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 111 अंक और नीचे आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने, कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं होने तथा महंगाई बढ़ने के बीच बाजार में गिरावट रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और यह 110.64 अंक टूटकर 77,580.31 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 266.14 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 26.35 अंक की गिरावट के साथ 23,532.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में लगातार छठे दिन गिरावट रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,502.58 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,145.24 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में कारोबार हल्का रहा।

इन शेयरों में रहा उतार-चढ़ाव

सेंसेक्स के तीस शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, नेस्ले, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं।

क्रॉम्प्टन ग्रीव्स का लाभ 27 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 26.9 प्रतिशत बढ़कर 128.07 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 100.87 करोड़ रुपये था। क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (सीजीसीईएल) ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आय समीक्षाधीन तिमाही में 6.4 प्रतिशत बढ़कर 1,896.01 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,782.27 करोड़ रुपये रही थी।

डी-सिब्स लिस्ट में शामिल बैंकों को घरेलू सिस्टम के लिए बहुत अहम माना जाता है

तीन बैंकों को आरबीआई ने माना सबसे सुरक्षित बैंक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को एक बार फिर भारतीय रिजर्व बैंक ने डोमेस्टिक सिस्टमैटिकली इंपोर्टेंट बैंक्स (डी-सिब्स) करार दिया है। आरबीआई ने डी-सिब्स बैंकों की लिस्ट जारी की। पिछले साल भी इन तीनों बैंकों को ही डोमेस्टिक सिस्टमैटिकली इंपोर्टेंट बैंक का दर्जा मिला था।

डी सिब्स लिस्ट में शामिल बैंकों को घरेलू सिस्टम के लिए बहुत अहम माना जाता है। साथ ही इन्हें देश के सबसे सुरक्षित बैंक भी माना जाता है। ये ऐसे बैंक होते हैं जो सिस्टम के लिए इतने महत्वपूर्ण होते हैं कि जिनके डूबने पर पूरी अर्थव्यवस्था को झटका लग सकता है। इस प्रकार के बैंक इतने महत्वपूर्ण हैं कि इन्हें कुछ हुआ तो सरकार खुद इन्हें बचाने की कोशिश करेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने डी-सिब्स बैंकों की सूची 31 मार्च 2024 तक मिले आंकड़ों के आधार पर तैयार की है। घरेलू सिस्टम के लिए अहम करार दिए गए बैंकों को एडीशनल कॉमन इक्विटी टियर-1 (सीइटी1) मेंटेन करना होता है। इन्हें अपने बकेट के हिसाब से अधिक कॉमन इक्विटी टियर 1 को बनाए रखना होता है। यह वह पूंजी है जिसके जरिए जोखिमों का प्रबंधन आसानी से किया जा सकता है। डी-सिब्स की लिस्ट में शामिल बैंकों को इसे अधिक रखना पड़ता है।

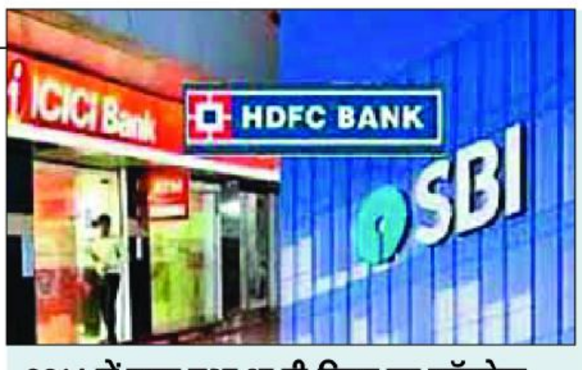

2014 में लागू हुआ था डी-सिब्स का कॉन्सेप्ट

भारतीय रिजर्व बैंक ने पहली बार घरेलू सिस्टम के लिए महत्वपूर्ण बैंकों की सूची तैयार करने यानी डी-सिब्स की अवधारणा को 10 साल पहले वर्ष 2014 में अपनाया था। 2015 में भारतीय स्टेट बैंक और फिर अगले साल वर्ष यानी 2016 में आईसीआईसीआई बैंक को इस सूची में रखा गया। 2017 में एचडीएफसी बैंक की एंट्री इस लिस्ट में हुई।

किस बकेट में है कौन सा बैंक

आरबीआई ने इस बार भारतीय स्टेट बैंक को बकेट-4 में रखा है जिसके तहत इसे 0.80 फीसदी अतिरिक्त सीईटी1 मेंटेन करना है। वहीं, एचडीएफसी बैंक भी बकेट 2 में बना हुआ है और इसे 0.40 फीसदी हाई सीईटी1 मेंटेन करना है। आईसीआईसीआई बैंक को बकेट 1 में रखा गया है और इसे सीईटी1 बफर में एडीशनल 0.20 फीसदी बनाए रखना होगा। नए नियम 1 अप्रैल 2025 से लागू होंगे।

यूपी में पीसीएस प्रीलिम्स और आरओ-एआरओ परीक्षा स्थगित

छात्रों के आगे झुका प्रशासन, मान ली उनकी मांगें

अब एक ही तारीख में होगा एग्जाम, आयोग ने बैठक कर परीक्षा पर फैसला किया

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पीसीएस प्रीलिम्स और आरओ/एआरओ परीक्षा को एकसाथ कराए जाने की मांग को लेकर कई प्रदर्शन कर रहे छात्रों की मांग को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने मान लिया है। आयोग ने पीसीएस प्रीलिम्स परीक्षा और आरओ-एआरओ परीक्षा को स्थगित करने का फैसला किया है। अब यह परीक्षा एक ही तारीख पर आयोजित होंगी। नई तारीख आयोग की ओर से बाद में जारी की जाएंगी। आयोग जल्द ही पीसीएस प्रीलिम्स-2024 को एक दिन में आयोजित करने और आरओ/एआरओ परीक्षा 2023 प्रारंभिक के लिए एक समिति बनाने के संबंध में बदलावों के लिए एक अधिसूचना जारी करेगा। आयोग का यह निर्णय राज्य सरकार द्वारा किसी भी परीक्षा को दो पालियों में आयोजित करने के संबंध में किए गए परिवर्तनों के बाद लिया गया है, जहां उम्मीदवारों की संख्या 5 लाख से अधिक है।

आयोग जल्द ही पीसीएस प्रीलिम्स-2024 को आयोजित करने सूचना जारी करेगा करेगा

आयोग एक दिन में कराएगा प्रारंभिक परीक्षा

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में छात्रों की मांग का संज्ञान लिया और आयोग को एक दिन में पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 के संबंध में छात्रों से संवाद और समन्वय कर आवश्यक निर्णय लेने को कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर जारी बयान में कहा गया है कि आरओ/एआरओ (प्री.) परीक्षा-2023 के लिए आयोग द्वारा एक समिति गठित की गई है। समिति सभी पहलुओं पर विचार कर अपनी विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करेगी।

चौथी बार स्थगित हुई यूपी पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा

"एक दिन, एक पाली, नॉर्मलाइजेशन नहीं" की मांग के साथ शुरू हुए यूपीपीएससी के अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन का आज चौथा दिन है। छात्रों की मांग को लेकर यूपी लोक सेवा आयोग में बृहस्पतिवार को महत्वपूर्ण बैठक लगभग समाप्त हो चुकी है। प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्रों की मांग के आगे उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग झुक गया है। वन शिफ्ट वन डे एग्जाम की मांग पर सहमति बन गई है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सचिव ने घोषणा कर दी है। वन शिफ्ट वन डे एग्जाम की मांग मान ली गई है।

तय समय पर होगी पीसीएस परीक्षाः आयोग

गरमा-गर्मी के माहौल में परीक्षा टलने की बात भी हवा पकड़ती दिख रही है। हालांकि, आयोग ने इस विषय पर स्पष्टता देते हुए छात्रों को अपनी तैयारी जारी रखने की सलाह दी है। यूपीपीएससी के सचिव अशोक कुमार ने कहा कि छात्रों से संवाद का लगातार प्रयास किया जा रहा है। छात्रों से यह भी कहा गया है कि उनके पास नॉर्मलाइजेशन का कोई फॉर्मूला हो तो बताएं, उस पर आयोग विचार करेगा। इसके लिए आयोग ने ईमेल आईडी भी जारी की है। अभ्यर्थियों की शंकाओं के समाधान के लिए उनके प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए भी बुलाया गया लेकिन छात्रों की तरफ से कोई नेतृत्वकर्ता अभी सामने नहीं आया है। जहां तक परीक्षा की बात है तो आयोग स्पष्ट कर चुका है कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा-2024 अपने नियत समय पर होगी।

पीसीएस प्री के लिए ही फिलहाल मांग पूरी

पीसीएस प्री के लिए ही फिलहाल मांग मानी गई है। समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के लिए बाद में निर्णय लिया जाएगा। उच्च स्तरीय कमेटी का गठन होगा। समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के संबंध में कमेटी ही अगला निर्णय लेगी।

खबर संक्षेप

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस में आग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बस में आग लगने के कारण एक बड़ा हादसा

होते-होते बच गया है। यहां गोसाईगंज इलाके के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह चलती बस में आग लग गई थी। पूरी बस धू-धूकर जलने लगी थी। वहीं बस में सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

नशेड़ी ट्रक ड्राइवर ने 5 लोगों की ले ली जान

पानीपत। यहां एक नशेड़ी ट्रक ड्राइवर के आतंक ने पांच लोगों की जान ले ली और एक व्यक्ति को

गंभीर रूप से घायल कर दिया। ड्राइवर ने दिल्ली की ओर से चंडीगढ़ की तरफ गलत साइड पर आते हुए फ्लाईओवर पर कई दुर्घटनाएं की। लघु सचिवालय के सामने फ्लाईओवर की ग्रिल तोड़कर ट्रक ने एक कार को भी टक्कर मारी थी।

स्वच्छ गंगा मिशन और डॉल्फिन संरक्षण को मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की 58वीं कार्यकारी समिति की बैठक में कई अहम

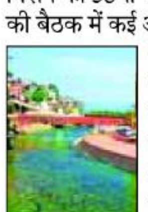

परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। चंबल, सोन, दामोदर और टोंस नदियों के पर्यावरणीय प्रवाह का आकलन और गंगा नदी डॉल्फिन के संरक्षण के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना को इसमें मंजूरी दी गई है।

'वर्दी का रंग नहीं बदलता' ओडिशा सरकार को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा

विधायक द्वारा महिला पुलिस अधिकारी को थप्पड़ मारने के मामले में ओडिशा सरकार को जमकर फटकार लगाई है। सरकार बदलने से किसी अधिकारी की वर्दी का रंग नहीं बदलता है। अग्रिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा सरकार को इस बात को लेकर नाराजगी जताई।

महाराष्ट्र चुनाव प्रचार में विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी

एमवीए आई तो आपको भीख मांगने पर मजबूर कर देंगे और ये बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाएंगे

एजेंसी ▶▶ छत्रपति संभाजी नगर

छत्रपति संभाजी नगर में रैली में पीएम ने आरोप लगाया-एमवीए का मकसद मात्र सत्ता हासिल करना

यहां चुनाव प्रचार अहम स्तर पर जा पहुंचा

विकास के कार्यों का किया बखान

महायुति सरकार ने ही यहां का नाम छत्रपति संभाजी नगर किया

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले वार पलटवार की राजनीति चरम पर है। एमवीए जहां महायुति पर हमला बोल रही है, तो वहीं महायुति ने उस पर झूठे वादे करने का आरोप लगाया। इस बीच पीएम मोदी ने गुरुवार को एमवीए पर जमकर हमला बोला है। छत्रपति संभाजी नगर में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने आरोप लगाया कि अगर महा विकास अघाढ़ी गठबंधन महाराष्ट्र में सत्ता हासिल करता है तो राज्य में सूखे और जल संकट का दौर शुरू हो गया है। पीएम ने कहा कि एमवीए वाले आपको बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा देंगे, इसलिए मैं माता और बहनों को कहता हूं अघाड़ी वालों को घुसने भी मत देना, वरना आपको पानी के लिए भी तरसाकर रखेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि एमवीए को सत्ता में नहीं आने देना चाहिए, अन्यथा वे आपको पानी के लिए भीख मांगने पर मजबूर कर देंगे।

महायुति के काम को सराहा

पीएम ने कहा कि एक ओर एमवीए है तो दूसरी ओर महायुति गठबंधन है जो महाराष्ट्र के विकास के लिए काम कर रहा है, राज्य को सड़कों से जोड़ रही है। कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी राजमार्ग बना रही है।

हमने आपकी और बालासाहेब की इच्छा पूरी की

पीएम मोदी ने कहा कि पूरा महाराष्ट्र जानता है कि छत्रपति संभाजी नगर को यह नाम देने की मांग बालासाहेब ठाकरे ने उठाई थी। अघाड़ी सरकार ढाई साल तक सत्ता में रही, लेकिन इन लोगों में ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। जबकि, महायुति सरकार ने सत्ता में आते ही इस शहर का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी नगर कर दिया। हमने आपकी इच्छा पूरी की, हमने बालासाहेब ठाकरे की इच्छा पूरी की।

कांग्रेस पाकिस्तानी भाषा बोल रही

रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरक्षण से छेड़छाड़ कर एससी-एसटी समुदाय को बांटना चाहती है। कांग्रेस के शहजादे आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 को वापस लाने की बात की है, जो उसकी मानसिकता दिखाता है। कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 से आजादी दिलाई।

संभाजी महाराज के हत्यारे को कुछ लोग मसीहा मान रहे

पीएम मोदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के प्रचार में विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि हमने हिंदुत्व की राजनीति से समझौता नहीं किया, जबकि कुछ लोगों ने अपना रास्ता ही बदल लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार के गठन के बाद महाराष्ट्र में सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ। यही नहीं एक और तीखा वार करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग संभाजी महाराज के हत्यारे में अपना मसीहा देखते हैं। छत्रपति शिवाजी के बेटे संभाजी महाराज थे, जिनकी हत्या का आदेश औरंगजेब ने दिया था। यह भी एक कारण है कि महाराष्ट्र में शिवाजी बनाम औरंगजेब की राजनीति होती रही है। महाराष्ट्र में यह एक संवेदनशील विषय रहा है।

राहुल का प्रधानमंत्री पर वार

उन्होंने कभी संविधान नहीं पढ़ा मेरी किताब खाली कह रहे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ग फिर पीएम पर हमला बोला। राहुल ने कहा कि पीएम कहते हैं कि मैं जनसभाओं में जो संविधान दिखाता हूं, वह खाली है। पीएम के लिए संविधान खाली है, क्योंकि उन्होंने कभी इसे पढ़ा नहीं है। नंदूरबार में राहुल ने कहा कि संविधान में देश की आत्मा है और हिंदुस्तान का ज्ञान है। इसमें भगवान बुद्ध, बिरसा मुंडा, डॉ. बीआर आंबेडकर, महात्मा गांधी, और फुले की सोच है। भाजपा को मेरे रैलियों में इस लाल किताब को दिखाने पर आपत्ति है।

झारखंड में बोले गृहमंत्री शाह

जेएमएम-कांग्रेस का सफाया ये केवल प्रदेश को 'लूट' रहे

गिरिडीह। भाजपा के दिग्गज नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गिरिडीह जिले के गांडेय विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने हेमंत सोरेन की सरकार पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को सुरक्षित किया, देश को समृद्ध किया। मनमोहन सिंह, देश के अर्थतंत्र को 11वें नंबर पर छोड़ कर गए थे। मात्र 10 साल में पीएम मोदी ने भारत के अर्थतंत्र को 5वें नंबर पर लाने का काम किया है। वर्ष 2027 तक देश का अर्थतंत्र दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अर्थतंत्र होगा। शाह ने कहा कि राहुल गांधी की पार्टी, कांग्रेस अनुच्छेद 370 (जम्मू और कश्मीर में) को वापस लाना चाहती है। कश्मीर भारत का है और कोई भी इसे हमसे नहीं छीन सकता। झारखंड ने नक्सलवाद को झेला है। उन्होंने झारखंड को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पीएम मोदी ने झारखंड को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया है। पहले चरण में झामुमो-कांग्रेस का सफाया हो गया है।

सहारा का पैसा डूबा तो किसकी सरकार थी

शाह ने कहा कि हेमंत बाबू पूछते हैं कि सहारा के पैसों का क्या हुआ? हेमंत और राहुल, सबसे पहले ये बताइए कि सहारा का पैसा जब डूबा, तब केंद्र में सरकार किसकी थी? यूपी में सरकार किसकी थी और आज हेमंत अखिलेश और कांग्रेस के साथ बैठे हैं। लेकिन मैं आज वादा करता हूं, जिनका भी पैसा सहारा में फंसा है, हम उन लोगों की एक-एक पाई वापस करेंगे।

'राहुल प्लेन' 21वीं बार भी क्रैश होगा

शाह ने कहा कि सोनिया गांधी को अपने बेटे को लांच करने का बड़ा शौक है। सोनिया ने 20 बार राहुल नाम का प्लेन लांच किया, लेकिन लैंड ही नहीं होता है। ये प्लेन, 20 बार क्रैश हो चुका है और 21वीं बार भी देवघर एयरपोर्ट पर ये प्लेन क्रैश होने वाला है। शाह ने कहा कि झारखंड ने वर्षों तक नक्सलवाद को झेला है। नक्सलवादियों ने झारखंड को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पीएम मोदी ने झारखंड को 10 साल में नक्सलवाद से मुक्त कराने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में जो बचा कुचा नक्सलवाद है, 2026 से पहले हम उसे भी समाप्त करेंगे। हम 2026 तक 'नक्सल मुक्त भारत' बनाएंगे।

एमसीडी चुनाव कशमकश भरा रहा

आप के खींची 3 वोट से बन नए मेयर, कांग्रेस पार्षद का इस्तीफा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी को जीत मिली है। महेश कुमार खींची मेयर बन गए। आप को 133 मिले। भाजपा को 130 वोट मिले। आप के 10 पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की। कुल 265 वोट पड़े। 2 वोट अवैध घोषित किए गए। इससे पहले कांग्रेस ने चुनाव से वॉकआउट किया।

एक नाटकीय घटनाक्रम में कांग्रेस पार्षद सबीला बेगम ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। खींची वर्तमान में देव नगर वार्ड से पार्षद हैं। आप

द्वारा मैदान में उतारे गए दलित उम्मीदवार खिंची ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किशन लाल को तीन वोटों के मामूली अंतर से हराया। सीएम आतिशी ने मेयर बनने पर महेश खींची जी को बधाई! मुझे उम्मीद है कि आपके नेतृत्व में एमसीडी में अरविंद केजरीवाल जी की राजनीति आगे बढ़ेगी। कांग्रेस ने चुनाव का बहिस्कार किया था।

98 को मिली थी उम्रकैद की सजा

हाई कोर्ट ने एक साथ 99 लोगों को दी एससी-एसटी एक्ट से छूट

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक हाई कोर्ट ने एससी-एसटी ऐक्ट में दोषी करार दिए गए 101 लोगों में से एक साथ 99 लोगों को जमानत दे दी है।राज्य के माराकुंबी गांव में दलितों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न के केस में 101 लोगों को दोषी ठहराया गया था।

यह मामला 10 साल पुराना है, लेकिन दोषी ठहराए गए इन लोगों ने केस पर असर डालने वाली कोई हरकत नहीं की है। ऐसे में इनके जेल से बाहर रहने से केस पर कोई खास असर नहीं होगा। कोर्ट ने इन लोगों

को 1 लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी। हाई कोर्ट की धारवाड़ बेंच के जस्टिस एस. हरीश कुमार और जस्टिस टीजी शिवशंकर गौड़ा इन लोगों की सजा को निलंबित कर दिया है और उन्हें बेल दे दी। बेंच ने कहा कि इस केस में निचली अदालत ने 10 साल में फैसला सुनाया और इस दौरान ये सभी लोग जमानत पर ही थे।

हेट स्पीच और गलत बयानों के बीच अंतर पर सुनवाई

नफरती भाषणों और गलत बयानों में काफी अंतर, दिक्कत हो तो पुलिस के पास जाइए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें सार्वजनिक मंच से नेताओं द्वारा दिए गए भड़काऊ भाषणों के खिलाफ तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि ये बयान राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा देते हैं। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 'हिंदू सेना समिति' के वकील से कहा कि नफरत भरे भाषणों और गलत बयानों में अंतर होता है। याचिका पर नोटिस जारी नहीं हो सकता।

■ सुप्रीम कोर्ट की वकील को दो टूक

हम विचार नहीं कर सकते

पीठ ने कहा कि हम रिट याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं। घृणास्पद भाषण और गलत बयानों के बीच अंतर है। यदि याचिकाकर्ता को कोई शिकायत है, तो वे कानून के अनुसार इसे उठा सकते हैं।

दंडात्मक कार्रवाई की मांग की थीः याचिका में भड़काऊ बयानबाजी को रोकने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने और सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्र की संप्रभुता को खतरे में डालने वाले बयान देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था।

महाराष्ट्र और गुजरात में ईडी की बड़ी छापेमारी

फर्जी तौर पर 70 बैंक शाखाओं के माध्यम से 2,500 करोड़ का लेनदेन किया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र के मालेगांव में एक व्यापारी के खिलाफ ईडी ने छापा मारा है। यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है। यह कार्रवाई कई व्यक्तियों के बैंक खातों के दुरुपयोग के माध्यम से 100 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय अनियमितताओं की चल रही जांच का हिस्सा है। ईडी की जांच का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा और बंगाल सहित विभिन्न राज्यों में फैली लगभग 170 बैंक शाखाओं के माध्यम से 2,500 करोड़ से अधिक लेन-देन की व्यापक समीक्षा करना है। इन निधियों को मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेन-देन को सुविधाजनक बनाने के लिए भेजा गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा था यह मामला

14 अलग- अलग खाते खोले गए

यह जांच मालेगांव पुलिस में चाय और कोल्ड ड्रिंक क्षेत्र से जुड़े स्थानीय व्यवसायी सिराज अहमद हारुन मेमन और उसके कुछ सहयोगियों के खिलाफ दर्ज शिकायत के बाद शुरू हुई थी। मेमन ने मकई का कारोबार शुरू करने की आड़ में करीब एक दर्जन लोगों के बैंक खातों का फायदा उठाया। उसने कथित तौर पर नासिक मर्चेंट कोऑपरेटिव बैंक में खाते खोलने के लिए उनके पैन और आधार जैसे केवाईसी विवरण मांगे। सितंबर और अक्टूबर के बीच 14 खाते खोले गए।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले की शुरुआत की

उद्योगों को विश्वस्तरीय पहचान और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देंगे

'विकसित भारत' की थीम पर भारत के उद्योग और मूल्य श्रृंखला का उल्लेख किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) का उद्घाटन किया। 27 नवंबर तक चलने वाला यह आयोजन भारत की विविध संस्कृति, व्यापार और नवाचार के जश्न की तरह है। व्यापार और सहयोग के लिए यह एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। गोयल ने बताया कि सरकार का लक्ष्य भारत व्यापार संवर्धन संगठन को एक विश्व स्तरीय एजेंसी के रूप में विकसित करना है, जो भारत के उद्योग और मूल्य श्रृंखला को एक इकाई के रूप में प्रदर्शित करे। उन्होंने कहा कि लक्ष्य भारत को एक प्रमुख बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

अंतरराष्ट्रीय भागीदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला : गोयल ने अंतरराष्ट्रीय भागीदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। वैश्विक प्रदर्शकों को उपभोक्ता विकल्पों को व्यापक बनाने के लिए भारतीय व्यापार मेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

कियोस्क स्थापना की योजनाओं को बताया

पीएम मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के बारे में बताते हुए गोयल ने आईआईटीएफ की थीम 'विकसित भारत एट द रेट 2047' की सराहना की। पीएम का दृष्टिकोण 2047 तक भारत को एक समृद्ध, आत्मनिर्भर देश बनाना है। गोयल ने व्यापार आयोजनों में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने पर जोर दिया और सुचारू लेन-देन की सुविधा के लिए कियोस्क स्थापना की योजनाओं का उल्लेख किया।

भारत और विदेश से 3,500 प्रतिभागी शामिल

आईआईटीएफ 107,000 वर्ग मीटर में फैला है, जिसमें भारत और विदेश से 3,500 से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश भागीदार राज्य हैं, जबकि झारखंड फोकस राज्य है। प्रतिभागियों में 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, 49 केंद्रीय मंत्रालयों और टाइटन, जिंदल स्टील एंड पावर, जेएसडब्ल्यू स्टील, रिलैक्सो आदि हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मोः 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)